



हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय हॉकी टीम ने रविवार को राजगीर (बिहार) में फाइनल मुकाबले में पांच बार की हॉकी विजेता दक्षिण कोरिया की टीम को 4-1 से हराकर हीरो एशिया कप का खिताब अपने नाम करते हुए अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में होने वाले विश्वकप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। आज खेले गये हीरो एशिया कप के फाइनल मुकाबले में भारत के लिए दिलप्रीत सिंह ने (28वें, 45वें) मिनट, सुखजीत सिंह ने (पहले) मिनट और अमित रोहिदास ने (50वें) मिनट में गोल किए। दक्षिण कोरिया की ओर से 50वें मिनट में डैन सन ने गोल कर स्कोर 4-1 कर दिया। भारतीय टीम ने आखिरी मिनटों में बढ़ त बनाए रखी और आठ साल का लंबा इंतजार खत्म करने हुए एशिया कप का खिताब अपने नाम कर लिया। इस ऐतिहासिक जीत के बाद, हॉकी इंडिया ने खिलाड़ियों को 3-3 लाख रुपये और सहयोगी स्टाफ को 1.5 लाख रुपये देने की घोषणा की।

राजस्थान सरकार ने उत्तराखंड को 5 करोड़ रु. भेजे

जयपुर, 7 सितम्बर। उत्तराखण्ड में हाल ही में आई भीषण बाढ़ के कारण उत्पन्न गंभीर स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को उत्तराखण्ड के आपदा प्रभावित

- आपदा प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने के लिये मुख्यमंत्री भजनलाल ने 5 करोड़ रु. का ड्राफ्ट उत्तराखंड मुख्यमंत्री को भेजा।

परिवारों को राहत पहुंचाने एवं पुनर्वास कार्यों में सहयोग के लिए मुख्यमंत्री सहायता कोष से 5 करोड़ रुपये की सहायता राशि भेजी है। यह सहायता राशि उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को डिमांड ड्राफ्ट (डी.डी.) के माध्यम से प्रदान की गई है। शर्मा ने इस संबंध में धामी से फोन पर बातचीत कर राजस्थान की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में राजस्थान, उत्तराखण्ड के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने धामी को लिखे पत्र में कहा कि उत्तराखण्ड में आई भीषण बाढ़ और उससे हुई जनहानि के समाचार अत्यंत दुःख एवं व्यथित करने वाले हैं।

प्रधानमंत्री मोदी दिनभर भाजपा सांसदों की कार्यशाला में मौजूद रहे

उन्होंने सांसदों को अपने इलाके की जनता से जुड़ने व समस्याएं समझने की सलाह दी

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सांसदों को ‘‘टिफिन मीटिंग’’ का मंत्र दिया। उन्होंने कहा छोटी-छोटी बैठकें करें व ज्यादा से ज्यादा वक्त लोगों के बीच गुजारें।

नया दिल्ली, 07 सितंबर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए रविवार का दिन बेहद खास रहा, जब सांसदों की कार्यशाला में उन्होंने एक सामान्य सांसद की तरह भाग लिया और सबसे पीछे जाकर बैठे। संसद के जी.एम.सी. बालयोगी सभागार में सुबह 10:45 बजे से लेकर शाम 6:45 बजे तक, पूरे दिन चली इस कार्यशाला में प्रधानमंत्री ने सांसदों से सीधे संवाद किया। उन्हें एकता, जनसंपर्क, जागरूकता तथा जिम्मेदार संसदीय आचरण का संदेश दिया। मोदी ने सांसदों को ‘टिफिन मीटिंग’ का मंत्र दिया भी दिया उन्होंने साफ कहा कि छोटी छोटी बैठकें करें, लोगों की दिक्कतें जानें, ज्यादा से ज्यादा वक्त लोगों के बीच गुजारें। इस कार्यशाला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ साथ पार्टी के वरिष्ठ

चुनाव जीतने का खेल नहीं है, बल्कि यह सेवा का रास्ता है। इसलिए सांसदों का काम जनता के साथ संपर्क बनाए रखना और उनकी मदद करना है। प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों की कठिनाइयों की बात की। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग जैसे मुद्दों पर जागरूकता की कमी है, जिससे कई परिवार परेशानी झेल रहे हैं। उन्होंने सांसदों से कहा कि वे अपने क्षेत्र में जाकर लोगों की योजनाओं की जानकारी दें और यह देखें कि जरूरतमंदों तक मदद पहुंची है या नहीं। इसी क्रम में उन्होंने एक रोचक सुझाव (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राज्यों के मुख्य चुनाव आयुक्तों की 10 को दिल्ली में बैठक

इस बैठक में देशभर की मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा होगी

नयी दिल्ली, 07 सितंबर। चुनाव आयोग ने राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों (सीईओ) की 10 सितंबर को दिल्ली में बैठक बलायी है जिसमें पूरे देश में राज्यों की मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करने की तैयारी के बारे में विशेष रूप से चर्चा की जायेगी।

चुनाव आयोग सूत्रों ने रविवार को यहां कहा, ‘‘आयोग ने राज्यों के सीईओ के साथ हर तीन महीने में बैठक करने का एक सिलसिला शुरू किया है। इसी तरह की एक बैठक दिल्ली में 10 सितंबर को बुलायी गयी है।’’

सूत्रों के अनुसार इस बैठक में आयोग राज्यों के सीईओ के साथ प्रशासनिक और बजट संबंधी विषयों पर चर्चा करने के साथ साथ ही देशभर में मतदाता सूचियां

- चुनाव आयोग ने राज्यों के सीईओ के साथ तीन माह में बैठक करने का सिलसिला शुरू किया है।

के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारी पर चर्चा कर सकता है।

एसआईआर को लेकर कांग्रेस और कुछ पार्टियों ने अपनी आपत्तियां व्यक्त की हैं और इसे एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना रखा है। इस मुद्दे को उच्चतम न्यायालय में भी ले जाया गया है। न्यायालय ने बिहार की सूची के पुनरीक्षण पर कोई रोक नहीं लगायी है और पुनरीक्षण का काम अंतिम चरण की ओर अग्रसर है।

पांच हजार रु. का इनामी फर्जी चयनित अध्यापक गिरफ्तार

जयपुर, 7 सितम्बर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए पांच हजार रुपए के इनामी फर्जी चयनित वरिष्ठ अध्यापक अरुण कुमार मीणा को गिरफ्तार किया है। एसओजी की जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी ने अपनी जगह पर डमी कैंडिडेट बिठाकर परीक्षा पास कर नौकरी हासिल की थी और पिछले काफी समय से एसओजी की पकड़ से भाग रहा था। फिलहाल आरोपी से पृष्ठताछ

- आरोपी ने डमी कैंडीडेट बैठाकर परीक्षा पास की थी तथा काफी समय से एसओजी की पकड़ से भाग रहा था।

की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) एसओजी वीके सिंह ने बताया कि एसओजी ने पांच हजार रुपए के इनामी फर्जी चयनित वरिष्ठ अध्यापक अरुण कुमार मीणा (26) निवासी टोंक को गिरफ्तार किया है। जो 24 दिसम्बर (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नयी दिल्ली, 07 सितंबर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75 वें जन्मदिन के मौके पर 17 सितंबर को देशभर में 75 स्थानों पर नशा मुक्त भारत के लिए भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) द्वारा ‘‘नमो युवा रन’’ का आयोजन किया जाएगा।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया और भाजयुमो अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय में इसकी घोषणा की। तेजस्वी सूर्या ने बताया कि फिटनेस के प्रतीक के तौर पर

- युवा मोर्चा के अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने कहा कि नशा मुक्त भारत के लिये होने वाली इस दौड़ में दस लाख से अधिक युवा भाग लेंगे।

पहचाने जाने वाले मॉडल, एक्टर मिलिंद सोमण नमो युवा रन के ब्रांड एंबेसडर होंगे। इस अवसर पर नमो युवा रन की टी शर्ट और एप भी लॉन्च किया गया।

सूर्या ने बताया कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर देश के जिन 75 स्थानों पर नमो युवा रन आयोजन हो रहा हैउनमें

हर स्थान पर करीब 10,000 युवा के भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि एक अनुमान के मुताबिक नमो युवा रन में 10 लाख से अधिक युवा भाग लेंगे, जो देश के इतिहास की सर्वाधिक भागीदारी वाली दौड़ होगी। सत्रह सितंबर को सुबह 7 बजे 75 स्थानों पर नशा मुक्त भारत संकल्प के लिए एक साथ ये दौड़ शुरू

होगी। इस अवसर पर मांडविया ने कहा कि मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष में 17 सितंबर से लेकर दो अक्टूबर तक, भाजपा 15 दिनों तक सेवा पखवाड़ा मनाती है।

इस अवसर पर नमो युवा रन के ब्रांड एंबेसडर मिलिंद सोमण ने कहा कि वह मोदी जी के फिटनेस के बहुत बड़े फैन हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ मसलस या बाँझी बना लेना ही फिटनेस नहीं है बल्कि दैनिक जीवन के काम के साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य भी जरूरी है।

पान मसाला, रियल एस्टेट कंपनियों पर छापे में साढ़े नौ करोड़ रु. बरामद

जयपुर, 07 सितंबर। आयकर विभाग ने रविवार को सर्वे के दौरान जीपीएस डिवाइस की मदद से भोंकरोटा इलाके में पान मसाले के अवैध गोदाम पर छापा मारी कर करोड़ों रुपए का माल जब्त किया है। आयकर विभाग ने बरामद किया हुआ माल

- इनकम टैक्स विभाग की कार्यवाही में 1250 करोड़ रुपये के कैश लेन देन का खुलासा हुआ।

कार्रवाई के लिए सीजीएसटी डिपार्टमेंट के हवाले कर दिया है। इसी के साथ आयकर विभाग ने राजस्थान में रियल एस्टेट और पान मसाला कारोबारियों के खिलाफ जयपुर और कोटा में 18 से ज्यादा ठिकानों पर सर्वे कार्रवाई में 1250 करोड़ रुपए के कैश-लेन-देन का खुलासा हुआ है। अभी तक सर्वे में साढ़े नौ करोड़ रुपए कैश और साढ़े 10 करोड़ रुपए की ज्वेलरी भी विभाग को मिली है। जिसे जब्त कर लिया गया है।

‘ भाजपा और ‘‘आप’’ की राजनीतिक खींचतान से पंजाब को भारी नुकसान’

कांग्रेस के पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल ने पंजाब के तीन दिन के दौरे के बाद पत्रकारों से बात की

- छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि बाढ़ एक प्राकृतिक आपदा है, पर दोनों सरकारें पंजाब के लोगों को राहत देने के लिये एक साथ नहीं बैठें।

आपदा है और इसने सभी को प्रभावित किया है, लेकिन फिर भी दोनों सरकारें पंजाब के लोगों को कोई राहत देने के लिए एक साथ नहीं बैठी हैं। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दल के नेताओं का बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा महज दिखावा है, क्योंकि उनके पास पीड़ितों को देने के लिए कुछ नहीं है।

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि इस तरह की त्रासदी पर केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियों के बीच कोई बैठक नहीं हुई है। इस स्थिति ने लाखों लोगों को प्रभावित किया है और बाढ़ ने चार लाख एकड़ से ज्यादा क्षेत्रफल में खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचाया है।

इस बीच, एक सवाल के जवाब में, वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने पंजाब की नदियों में अतिरिक्त पानी के कथित अनियंत्रित प्रवाह

पर भी सवाल उठाया, उन्होंने कहा कि नदियों के बांध टूटने से भारी तबाही हुई है। उन्होंने गुरदासपुर, तरनतारन, अमृतसर, फिरोजपुर और फाजिल्का जिलों में बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि वह अपनी रिपोर्ट पार्टी नेता राहुल गांधी को सौंपेंगे, जो पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ पर चिंता व्यक्त करने वाले सभी राजनीतिक दलों में से पहले राष्ट्रीय नेता थे।

उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री राजनीति से ऊपर उठकर पंजाब के लोगों के प्रति उदार होंगे।

उन्होंने याद दिलाया कि यूपीए सरकार के दौरान, जब डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे और राज्य में अकाली-भाजपा सरकार थी, तब भी पंजाब को बाढ़ आई थी और उन्होंने (डॉ. सिंह ने) बिना किसी देरी या राजनीति के राज्य को 1200 करोड़ रुपये की उदार सहायता प्रदान की थी।

चन्द्रग्रहण के कारण दिन में गंगा आरती हुई

वाराणसी 07 सितंबर। खग्रास चंद्रग्रहण के कारण वाराणसी के दशाश्वमेध घाट पर प्रत्येक सायंकाल होने वाली विष्णु प्रसिद्ध गंगा आरती रविवार को दोपहर में आयोजित की गई।

- गत 34 वर्षों में यह पांचवी बार है कि गंगा आरती दिन में की गई।

गंगा सेवा निधि के अध्यक्ष सुरांत मिश्र ने बताया कि चंद्रग्रहण के कारण मां गंगा की आरती परंपरागत तरीके से दोपहर 12 बजे शुरू हुई और सूतक काल से पहले सम्पन्न कराई गई।

पिछले 34 वर्षों में यह पांचवीं बार है जब मां गंगा की आरती दिन में आयोजित की गई। वर्ष 1991 में स्वर्गीय पंडित सतेंद्र मिश्र द्वारा दशाश्वमेध घाट पर मां गंगा की आरती की शुरुआत की गई थी। इस अवसर पर कई श्रद्धालु और पर्यटक इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बने।

वर्तमान में गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि के कारण मां गंगा की आरती घाट की छत पर आयोजित की जा रही है। इससे पहले यह आरती 28 अक्टूबर 2023, 16 जुलाई 2019, 27 जुलाई 2018 और 7 अगस्त 2017 को चंद्रग्रहण के कारण दिन में सम्पन्न की गई थी।

खड़गे ने मोदी सरकार पर सुरक्षा के मुद्दों पर गुमराह करने का आरोप लगाया

उन्होंने कहा कि भारत की विदेश नीति व्यक्तिगत मित्रता से तय नहीं की जा सकती

कलबुर्गी, 07 सितंबर। कर्नाटक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को मोदी सरकार को निशाने पर लेते हुए सुरक्षा के मुद्दों पर देश को गुमराह करने, चुनावी लाभ के लिए गरीबों का शोषण करने और संतुलित विदेश नीति की भारत की दीर्घकालिक परंपरा को त्यागने का आरोप लगाया।

खरगे ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि चीनी सीमा की स्थिति से निपटने के सरकार के तरीके ने स्पष्ट विरोधाभासों को उजागर किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने शुरुआत में किसी भी घुसपैठ से इनकार किया लेकिन बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद चीन में ‘घुसपैठ’ (दौरा) किया, जो उसकी कथनी और करनी में अंतर को दर्शाता है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ऐसे विरोधाभासी बयान भारत की विश्वसनीयता को कमजोर करते हैं जिससे दुनिया को गलत संकेत मिलते हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के बाबत बोलते हुए कहा कि उनकी पार्टी ने हमेशा ऐसे सुधारों का समर्थन किया है जिनसे गरीबों को सचमुच का लाभ हुआ हो। उन्होंने मोदी सरकार पर कई स्लैब बनाकर व्यवस्था को जटिल बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, जब राहत देने के लिए दो स्लैब पर्याप्त थे, तो उन्होंने चार या पांच भ्रामक स्लैब पेश कर दिए, जिससे उन्हीं लोगों को नुकसान हुआ जिनकी मदद करने का दावा किया गया है।

खरगे ने मोदी की कूटनीतिक शैली पर भी

- कर्नाटक में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने इस बात पर जोर दिया कि भारत की विदेश नीति स्वतंत्र, व्यापारिक और राष्ट्रीय हित पर आधारित होनी चाहिये। वह निजी स्वार्थी या चुनाव के समय की बयानबाजी से प्रभावित नहीं होनी चाहिये।

निशाना साधा और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रंप को बार-बार ‘दोस्त’ कहने को लेकर आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि इस तरह के व्यक्तिगत अनुमानों ने भारत के कूटनीतिक संतुलन को बिगाड़ दिया है और घरेलू और विदेश दोनों स्तरों पर गलत धारणा बनाई है। उन्होंने आगे कहा, ‘‘भारत की विदेश नीति व्यक्तिगत मित्रता से तय नहीं की जा सकती।’’ कांग्रेस अध्यक्ष ने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा तैयार की गई भारत की गुटनिरपेक्ष नीति को याद करते हुए कहा कि इसने देश को दशकों तक वैश्विक सम्मान और रणनीतिक स्थान दिलाया। उन्होंने कहा, ‘‘अगर मौजूदा सरकार उस दृष्टिकोण को जारी रखती तो हमें वर्तमान की जटिलताओं का सामना नहीं करना पड़ता।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

व्यस्त मनुष्य को आंसू बहाने का अवकाश नहीं। –बायरन

.....ताकि कर्मचारियों की सेहत ठीक रहे!

पिछले कुछ समय से हम राजस्थान सरकार की एक योजना के बारे में अनेक अभिग्र खबरें पढ़ रहे हैं। खबरें इस आशय की कि इस योजना के लाभार्थियों और सेवा प्रदाताओं ने अनेक प्रकार के घपले किए और सरकार को उन पर कार्रवाई करनी पड़ी। खबरें इस आशय की कि अनेक निजी अस्पतालों ने अलग-अलग कार्णों से इस योजना के तहत अपनी सेवाएं देने से मना कर दिया या सेवाओं को सीमित कर दिया, वगैरह। मेरे लिखे बिना भी हमारे अधिकांश पाठक समझ गए होंगे कि मैं किस योजना की बात कर रहा हूँ। यह योजना है आरजीएचएस (RGHS) अर्थात राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम। पिछली अशोक गल्लोत सरकार ने सन् 2021 में यह योजना प्रारंभ की थी और इस योजना को सभी ने, विशेष रूप से इसके लाभार्थियों ने खूब सराहा था। इस योजना के तहत राजस्थान सरकार के सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मचारियों, उनके परिवारजन, अखिल भारतीय सेवाओं के सेवारत और सेवानिवृत्त अधिकारीगण, राज्य की स्वायत्तशाही संस्थाओं जिनमें विभिन्न बोर्ड व निगम भी शामिल हैं, के सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मचारी और राज्य के न्यायाधीश व पूर्व न्यायाधीशों आदि को एक कार्ड जारी कर विभिन्न अस्पतालों में बिना भुगतान किए (कैशलेस) चिकित्सा, जांचों और दवाओं की सुविधा प्रदान की गई। इस योजना के लागू होने से पहले राज्य में इन अलग-अलग श्रेणी के लोगों के लिए अलग-अलग योजनाएं चल रही थी। सरकार ने एक नेक इरादे के साथ उन सारी योजनाओं को केंद्र सरकार की सीजीएचएस (CGHS) योजना की तर्ज पर समेकित कर इन सबको बिना भुगतान के चिकित्सा सुविधा आदि सुलभ करने की यह योजना लागू की। इस योजना की अनेक बारीक बातें भी थीं, सभी लाभार्थियों के लिए अलग-अलग तरह की सुविधाएं थीं। उस विस्तार में हम नहीं जाएंगे।

प्रारंभ में यह योजना सरकारी अस्पतालों में सुलभ थी लेकिन बाद में इसे सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में भी सुलभ करा दिया गया। सरकारी जानकारी के आधार पर इस योजना में कुल तेरह लाख तेईस हजार लोग पंजीकृत हैं और उनके परिवारजन की कुल संख्या सैंतीस लाख बीस हजार है। राजस्थान में एक हजार सात सौ अठारह और राजस्थान से बाहर चालीस अस्पताल इस योजना के तहत सूचीबद्ध हैं। राजस्थान में दवा की चार हजार आठ सौ चौवन दुकानें इस योजना के तहत बिना पैसे चुकाए दवा देने के लिए सूचीबद्ध हैं। इन आंकड़ों में थोड़ा बहुत अंतर हो सकता है, लेकिन इनसे इस योजना की व्यापकता का अनुमान लगाया जा सकता है। सन् 2021 से पहले भी इन लाभार्थियों में से अधिकांश के लिए राजस्थान सरकार की तरफ से चिकित्सा सुविधा उपलब्ध थी लेकिन तब इन्हें भुगतान करना होता था और बाद में उसका पुनर्प्राण होता था। पुनर्प्राण में अनेक अडचनें भी आती थीं और विलंब तो आम था। सबसे बड़ा संकट तो बीमार होते ही अपनी जेब से पैसे खर्च करने का था। ऐसे में यह कैशलेस सुविधा सारे लाभार्थियों की और विशेष रूप से राज्य सरकार के कर्मचारियों व पेंशनरों को एक बरदान लगी।

इस योजना की विशालता का अनुमान कुछ तथ्यों से लगाया जा सकता है। लगभग आठ करोड़ की कुल आबादी वाले राजस्थान के लगभग तेरह लाख लाभार्थियों ने इस योजना के तहत 2021 से 2025 तक दो करोड़ बार ओपीडी (OPD) की सेवाएं लीं और उन्नीस लाख से कुछ ज्यादा बार आईपीडी (IPD) या डे केयर की सेवाएं लीं। बड़े लोगों की बात न की करें तो इसे स्वीकार करने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए कि अल्प वेतनभोगी कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों और फेमिली पेंशनर पाने वालों के लिए यह योजना सही अर्थों में जीवन रक्षक साबित हुई है। लगातार बढ़ती जा रही महंगाई और बहुत द्रुत गति से महंगी होती जा रही चिकित्सा सुविधाओं के इस समय में और खास तौर पर तब जब कि हमारे अधिकांश सरकारी अस्पताल रोगियों की भीड़, कार्मिकों व बजट की कमी और कुल मिलाकर सरकारी उपेक्षा की वजह से विषमसन्धीय नहीं रह गए हैं, निजी अस्पतालों में कैशलेस योजना का मिल जाना बहुत बड़ी राहत की बात लगी। जीवन के कीमती साल सरकारी नौकरी को समर्पित कर चुकने के बाद पेंशन के भरोसे जीवन यापन करने वाले कर्मचारी को या उसके दिवंगत हो जाने पर उसके आश्रितों को चिकित्सा सुविधा के लिए निश्चित कर निश्चय ही सरकार ने एक सराहनीय काम किया। मैं बार-बार कर्मचारियों की ही बात कर रहा हूं, इसका कारण सर्व विदित है। यही देखें कि जनप्रतिनिधिगण एक अलग ही श्रेणी हैं और उन्हें वह खर्च सहजता से सुलभ रहता है जिसका हम सपना भी नहीं देख पाते हैं।

तो यह एक बेहतरीन योजना थी लेकिन शुरु होने के चार बरस बीते-बीतेते बल्कि इससे थोड़ा पहले से इस योजना को लेकर अनेक अभिग्र समाचार आने लगे थे। सबसे पहले तो इस आशय की खबरें आई कि बहुत सारे सूचीबद्ध निजी अस्पतालों ने इस योजना के लाभार्थियों को सेवाएं देने में कई किस्म के अडोंगे लगाए। फिर यह कि कई निजी अस्पतालों ने अचानक यह कहते हुए सेवाएं देना बंद कर दिया कि सरकार ने लम्बे समय के अनेक बिलों का भुगतान नहीं किया है। ऐसा ही अनेक सूचीबद्ध दवा विक्रेताओं ने भी किया। इन कारणों से योजना के लाभार्थियों को अनेक असुविधाओं का सामना करना पड़ा। आप बीमार हैं और आपके पास इतने पैसे नहीं हैं कि अस्पताल का भारी बिल चुका सकें और दवाओं पर बड़ी रकम खर्च कर सकें तो परेशानी तो होगी ही। इसके बाद इस आशय की खबरें आई कि योजना का दुरुपयोग करने में कर्मचारी, अस्पताल, दवा विक्रेता और चिकित्सक सभी शामिल रहे हैं। अनेक कर्मचारियों ने अपने कार्ड पर किसी अनधिकृत व्यक्ति का इलाज करवा लिया तो बहुत सारे मामले ऐसे भी सामने आए कि डॉक्टर ने बहुत ज्यादा दवाएं लिख दीं और मरीज ने दवा विक्रेता से मिली भागत कर उन दवाओं का बजाय अन्य सामग्री ले ली। रोगी को बिना भर्ती किए ही अस्पताल ने बिल बना कर सरकार को पेश कर दिया, या अनावश्यक जांचों का भुगतान प्राप्त कर लिया गया। सरकार ने अपने स्तर पर इस तरह के दुरुपयोग को रोकने के लिए अपनी व्यवस्थाओं को और अधिक कड़ा भी किया, और जो लोग, चाहे वे लाभार्थी हों, दवा विक्रेता हों, डॉक्टर हों या अस्पताल प्रबंधक हों, गलत काम करते हुए पकड़े गए उनके खिलाफ समुचित कार्रवाई भी की। लेकिन लाभार्थी इस बेहतरीन योजना से जिस आश्वस्ति और सुविधा की आस लगाए हुए थे, वह आस पूरी नहीं हो सकी। इसकी सबसे बड़ी वजह तो यही है कि सरकार अस्पतालों व दवा विक्रेताओं को समय पर भुगतान नहीं करती है। प्रतीक्षा करते-करते उनका धैर्य चुक जाता है और थक हाह कर वे अपनी सेवाएं देना बंद कर देते हैं। इसका सीधा असर लाभार्थियों पर और खास तौर पर अल्प वेतन भोगी कर्मचारी या उसके आश्रितों पर पड़ता है। सरकार के काम करने की अपनी गति होती है। वह सरक-सरक कर चलती है जबकि बीमारी किसी को अपने आगोश में लेने के लिए इस बात का ध्यान कहां रख पाती है कि सब कुछ ठीक हो तभी वह अपना काम करे।

निश्चय ही किसी भी योजना का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। आदर्श स्थिति तो यही है कि कोई भी-लाभार्थी या सेवा प्रदाता- उसका दुरुपयोग न करे। लेकिन आदर्श स्थिति तो केवल कितानों में होती है। जीवन में कहीं भी आदर्श स्थिति देखने को नहीं मिलती है। मौका मिलने भर की देर होती है, घपला हो जाता है। ऐसे में सरकार की कड़ाई और गलत काम करने वाले को दंड का ही सहारा रह जाता है। और मुझे यह स्वीकार करने में कोई संकोच नहीं है कि सरकार अपनी तरह से इस स्कीम को फुलपूरा बनाने के लिए भरपूर प्रयास कर रही है। अनेक बदलाव उसने किए हैं और जैसे-जैसे नए मामले सामने आते जाएंगे, वह उनसे सबक लेकर अपनी व्यवस्था को बेहतर बनाएगी। पर सरकार से यह उम्मीद करता हूं कि वह एक समय सीमा तकवक्रे जिसमें अस्पतालों व दवा विक्रेताओं का भुगतान हर हालत में हो जाए और अगर न हो तो सम्यक् कार्मिक को इसके लिए दंडित किया जाए ताकि इस तरह के मामलों की पुनरावृत्ति न हो। इसी तरह अगर कोई अस्पताल या दवा विक्रेता योजना के लाभार्थी को सेवा प्रदान करने में आनाकानी करे या उसे परेशान करे तो उसके खिलाफ भी त्वरित कार्रवाई होनी चाहिए। ये जो बहुत सारे अस्पताल मनमर्जी से योजना का क्रियावन्धन रोक देते हैं इस पर नियंत्रण किया जाना चाहिए। खुद सरकारी कर्मचारियों (और अन्य लाभार्थियों) से भी यह अपेक्षा की जानी चाहिए कि वे इस योजना का दुरुपयोग न करें। ऐसा करना खुद उनके ही हितों के मामले में कोताही बरतने लगी है और सरकार ने उनकी नाजायज हरकतों की तरफ से आंखें मूंद रखी हैं, कर्मचारियों का एकमात्र सहारा यह आरजीएचएस योजना ही है और इसे ठीक से चलाया जाना बहुत जरूरी है।

–अतिथि संपादक,
दुर्गाप्रसाद अग्रवाल,
(शिक्षाविद और साहित्यकार)



सुरेंद्र सिंह शेखावत

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में, जहां महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा चरम पर है, भारत की विदेश नीति एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। डोनाल्ड ट्रंप के 2024 चुनाव में पुनः जीतने पर भारतीय अखबारों द्वारा व्यक्ति की गई भारी खुशी से लेकर ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ, पहलगाय आतंकी हमले के बाद अमेरिका का पाकिस्तान की ओर झुकाव, पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असिम मुनिर को ट्रंप द्वारा लंच पर आमंत्रित करना, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बढ़ती निकटता, भारत-चीन-रूस का उभरता गठबंधन तथा नया



भागचंद जैन

सभी धर्मों का परम् उद्देश्य आत्म कल्याण, मानव कल्याण एवं जीवमात्र का कल्याण है। इन उद्देश्यों की पूर्ति सभी सम्भव है जब हम धर्मानुरूप आचरण करे, लेकिन हम एक सामाजिक प्राणी है। सबसे अलग अलग प्रकार के कार्य होते है, आमदनी अलग अलग होती है, विचार भी अलग होते है आदि। इस तरह इन अंतर से मतभेद एवं मनभेद प्रारम्भ होने लगते है, जो मानसिक अशांति एवं क्रोध का कारण बनते है एवं कभी कभी विकाराल स्थिति पैदा हो जाती है कि पटरी पर लाना मुश्किल हो जाता है। मानव जीवन में यह एक सामान्य प्रक्रिया का अंग है। लेकिन इन सब विपरीत स्थितियों से पार पाने के लिए एक अद्भुत हथियार 'क्षमा' का सहारा प्राप्त है। सभी काय के जीवों में मात्र मनुष्य के पास ही क्षमा का विकल्प होता है। क्षमा में क्षमा मांगना एवं क्षमा करना दोनों ही प्रभावशाली है। जो त्रुटि करता है उसके पास क्षमा मांगने का उपाय रहता है। जानबूझकर की गई त्रुटि में



ईशा सैनी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में तत्परता के साथ हरसंभव राहत प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ नागरिक सुरक्षा से लेकर चिकित्सा सेवाएं, खाद्य सामग्री की उपलब्धता सहित आवश्यक सेवाओं के सुचारु संचालन पर भी विशेष दिशा-निर्देश दिए और इनकी पालना में राज्यभर में बाढ़ में फंसे लोगों का पेशेवर दृष्टा से बचाव कर बहुमूल्य मानव जीवन

विश्व क्रम-ये सभी घटनाएं भारत की विदेश नीति में गहन बदलाव को रेखांकित करती हैं। इन घटनाओं का विश्लेषण करते पर समझा जा सकता है कि कैसे भारत रणनीतिक स्वायत्तता और बहु-संरक्षण की नीति अपनाकर वैश्विक चुनौतियों का सामना कर रहा है। ट्रंप की 2024 चुनाव में जीत ने भारतीय मीडिया में उत्साह की लहर दौड़ा दी। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप को सबसे पहले बधाई दी और उन्हें दुनिया का सबसे अच्छा नेता कहा। भारतीय मीडिया ने ट्रंप की जीत को भारत के लिए अवसर के रूप में चित्रित किया। हालांकि, यह खुशी क्षणिक साबित हुई, क्योंकि ट्रंप ने रूसी तेल और हथियारों की खरीद को बहाना बनाकर भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ थोप दिए, ट्रंप ने इसे एकतरफा आपदा करार दिया और कहा कि भारत अमेरिकी सामानों पर टैरिफ कम करे। इस कदम ने भारत-अमेरिका संबंधों में दरार पैदा की और भारत को अपनी अर्थव्यवस्था की रक्षा के लिए वैकल्पिक साझेदारों की ओर मोड़ दिया। मोदी सरकार ने आत्मनिर्भर भारत पर जोर देते हुए इन टैरिफों को चुनौती दी, लेकिन इससे स्पष्ट हो गया कि अमेरिका के साथ निर्भरता जोरखूबफ है।

इसके बाद, अप्रैल 2025 में पहलगाय आतंकी हमले ने दक्षिण एशिया में तनाव बढ़ा दिया। ट्रंप प्रशासन ने हमले

की निंदा की और टीआरएफ को आतंकी संगठन घोषित किया, लेकिन अमेरिका का पाकिस्तानी के प्रति सॉफ्ट कार्नर जाहिर हुआ। यह झुकाव अफगानिस्तान और मध्य एशिया में अमेरिकी हितों से जुड़ा था, जहां पाकिस्तान की भूमिका महत्वपूर्ण है। भारत के लिए यह एक झटका था, क्योंकि यह पुलवामा हमले के वक्त अमेरिकी भूमिका संदिग्ध हो दिखाई।। अब ट्रंप की नीति ने भारत को अमेरिका पर कम भरोसा करने के लिए मजबूर किया।

इस संदर्भ में, जून 2025 में ट्रंप द्वारा पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असिम मुनिर को व्हाइट हाउस में लंच पर आमंत्रित करना एक चौकाने वाला कदम था। ट्रंप ने मुनिर की प्रशंसा की और इसे रणनीतिक रोमांस कहा, जबकि भारत के साथ तनाव चरम पर था। अगस्त में मुनिर की दूसरी यात्रा ने अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों को मजबूत किया। इससे भारत की विदेश नीति में बदलाव आया, जहां अमेरिका के साथ साझेदारी जारी रखते हुए भी पाकिस्तान पुर्न पर स्वतंत्र रख अपनाया गया। इसके विपरीत, अगस्त 2025 में तियानजिन में आयोजित एससीओ समिट ने भारत की विदेश नीति की नई दिशा दिखाई। प्रधानमंत्री मोदी ने शी जिनपिंग से सीमा विवाद सुलझाने की प्रतिबद्धता जताई और पुतिन के साथ हाथ पकड़कर चलते

हुए निकटता प्रदर्शित की। मोदी और पुतिन ने कार में साथ यात्रा की, जो ट्रंप के टैरिफ के खिलाफ एकजुटता का संदेश था। मोदी ने कहा कि रूस और भारत मुश्किल समय में साथ खड़े रहते हैं। यह निकटता भारत-चीन-रूस के गठबंधन को रेखांकित करती है, जहां एससीओ और ब्रिक्स जैसे मंच अमेरिकी प्रभुत्व के खिलाफ वैकल्पिक व्यवस्था प्रदान करते हैं। भारत रूसी तेल खरीदता रहेगा, जबकि चीन के साथ आर्थिक सहयोग बढ़ाएगा। हालांकि, यह गठबंधन पूर्ण नहीं है; उसका चीन के साथ पिछला अनुभव अच्छा नहीं रहा है।

ये घटनाएं एक नए विश्व क्रम की ओर इशारा करती हैं। 2025 में, विश्व बहुध्रुवीय हो चुका है, जहां अमेरिका को एकध्रुवीय प्रभुत्व कमजोर पड़ रहा है। चीन, रूस और भारत जैसे उभरते ध्रुव वैश्विक अर्थव्यवस्था और सुरक्षा को आकार दे रहे हैं। संसाधन युद्ध, जलवायु संकट और राजनीतिक उठावावद बढ़ रहे हैं, जबकि एससीओ जैसी संस्थाएं बहुध्रुवीयता को बढ़ावा दे रही हैं। ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट नीति ने इस बदलाव को तेज किया, जिससे भारत जैसे देश वैकल्पिक गठबंधनों की ओर मुड़े।

भारत की बदलती विदेश नीति का मूल अब बहु-संरक्षण की ओर है क्योंकि विश्व द्विध्रुवीय नहीं रहा। मोदी युग में, भारत अमेरिका के साथ रक्षा साझेदारी

(क्वाड) बढ़ाता है, रूस से हथियार खरीदता है, और चीन के साथ आर्थिक संबंध बनाए रखता है। यह नीति जोखिमों को कम करती है, हालांकि इस राह में चुनौतियां बहुत हैं-सीमा विवाद, पाकिस्तान का मुद्दा और आर्थिक निर्भरता। फिर भी, बहु-संरक्षण भारत को वैश्विक मंच पर मजबूत बनाता है, जहां वह स्वतंत्र निर्णय ले सकता है। कुल मिलाकर नए दौर में भारत को किसी गठबंधन का पिछलग्गू बनकर खड़ा रहने की बजाय अपने हित के अनुरूप स्वतंत्र निर्णय लेने होंगे। ड्रेगन द्वारा दिए गए ऐतिहासिक झटकों को भी याद रखना होगा। भारतीय मीडिया को भी अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं पर किसी की जीत पर स्वागत में बिछ जाने की बजाय राष्ट्र प्रथम की नीति पर अपना स्टैंड क्लियर रखना होगा। ट्रंप की जीत पर शुरूआती खुशी से लेकर एससीओ में नई निकटताओं तक, भारत की विदेश नीति में बदलाव साफ नजर आ रहे हैं। नया विश्व क्रम बहुध्रुवीय है, और भारत इसमें एक प्रमुख खिलाड़ी बनकर उभर रहा है। यह नीति न केवल राष्ट्रीय हितों की रक्षा करती है, बल्कि वैश्विक शांति में योगदान देती है। आने वाले वर्षों में, भारत को इस पथ पर सतर्क रहना होगा, ताकि चुनौतियां अवसरों में बदल सकें।

- डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत,
(लेखक स्वतंत्र चिंतक हैं।)

क्षमावाणी दिवस : विश्व का एक अद्भुत पर्व

अहम का भाव रहता है, वह क्षम्य नहीं होती है। लेकिन मन की मलीनता दूर कर क्षमा मांगने से जाने अनजाने में की गई त्रुटियों की क्षमा याचना का विकल्प संदेव रहता है एवं बुद्धिमान व्यक्ति इसका उपयोग करते हैं।

कैसे मनाते है ? : कोई जैसा कम करेगा उसे वैसा ही फल मिलेगा। अतः सुखद जीवन हेतु किसी की विशुद्धि पर महत्व दिया गया है। जैन धर्म में दशलक्षण धर्म की पालना इसी का अंग है। दश धर्म आत्मा के स्वाभाविक धर्म हैं। जैन दर्शन में दशलक्षण पर्व के दिनों में दश धर्मों की आराधना करके हम अपने कर्मों की निर्जरा करते हैं। दशलक्षण धर्म की शुरुआत उतम क्षमा धर्म से एवं समापन अश्विन कृष्ण एकम के दिन जिनेन्द्र देव की पूजा पाठ एवं अभिषेक के बाद सभी जिन मंदिरों में सामूहिक रूप से व्रत रखा है, सौहार्दपूर्ण वातावरण में क्षमावाणी पर्व के साथ समापन करते हैं। इस दिन सभी लोग बिना किसी विकल्प के सहज एवं सरल भाव से जाने अनजाने में हुई गलतियों के लिए एक दूसरे से एवं सामूहिक रूप से क्षमा याचना करते हैं। सचमुच में यह आत्मिक सुधार का एक अलौकिक त्यौहार है, जिसमें मन, वचन एवं कर्म के संगम से अर्थात अन्तस मन से क्षमा मांगी जाती है एवं क्षमाकिया भी जाता है। हम अपने जीवन में कितने ही बुरे कर्म जालबूझ कर करते हैं और कितने ही हमसे अनजाने में हो जाते हैं। हमारे कृत्यों के कारण दूसरों का मन आहत हो जाता है। क्षमावाणी पर्व हमे वर्ष में कम से कम एक बार

इस पर विचार करने का अवसर देता है, मन में बैर भाव की भावना को दूर करने का अवसर मिलता है।
क्षमा वाणी पर्व क्यों मनाते है ? :- दशलक्षण पर्व के बाद आने वाला क्षमावाणी पर्व इन दश धर्मों के उपदेशों को व्यावहारिक रूप देने का अवसर है। इस पर्व के माध्यम से एक-दूसरे के प्रति मन में पल रहे बैर-भाव, क्रोध और मन की मलीनता को धोने का अवसर है। क्षमावाणी पर्व क्षमा धर्म को चर्चा में लाकर मूर्तरूप प्रदान करता है। क्षमा धर्म वर्ष में एक बार मनाने का ही त्यौहार नहीं है, यह श्रावकों की दिनचर्या का महत्वपूर्ण अंग है। प्रतिक्रमण के माध्यम से प्रतिपादित किए गए दोषों से मुक्त होने के लिए सभी जीवों से क्षमा याचना की जाती है एवं सभी को क्षमा भी किया जाता है।

क्षमा के गुण :- क्षमा भाव होने मात्र से ही अन्य गुण स्वतः आत्मसात होने लगते है। पर्व बहुत होते है, जिनमें बहुधाई एवं शुभकामनाएं हो जाती है। लेकिन जीवन में एक ऐसा दिन भी आना चाहिए जब हम अपनी आत्मा को बेझुक को कुछ हल्का कर सकें। अपनी भूलों का प्रायश्चित करना तथा आगे बढ़ने भूल नहीं करना हमारे जीवन पथ पर आगे बढ़ने में सहयोगी होता है। श्रुचीर की शक्ति का मापदंड ही क्षमा भावना होती है। क्षमा करना वीरों का अभूषण है। कायर तो प्रतिकार करते है। क्षमा करना एक कुलीन कार्य है, यह एक अन्तस का भाव है। अंतःकरण शुद्धि के आकांक्षी इस भाव को अपना सकते है ।

जब हम किसी से क्षमा मांगते है तो दरअसल हम अपने ऊपर ही उपकार करते हैं। हमारी आत्मा का बोझ हल्का होता है, अन्य व्यक्ति के मन में भी अच्छे भाव उत्पन होते है, इसी तरह आपसी सहानुभूति का अंत होता है।

हमारी संस्कृति कहती है – मिती में सव्व भूयेसु, बैर मैझ्ण ण केण्वि। प्राकृत भाषा की इस सूक्ति का अर्थ है सभी जीवों में मैत्री- भाव रहे, कोई किसी से बैर –भाव न रखे। जैन संस्कृति ने इस सूक्ति को हमेशा दोहराया है। भावना महावीर ने कहा है कि “कोहो पियं यपणा सयं” अर्थात् क्रोध प्रीति का नाश करता है। क्रोध पर विजय पाने का एक मात्र उपाय क्षमा है। क्षमा से ही जीव को आत्म संतुष्टि एवं मानसिक शांति मिलती है।

क्षमा का प्रभाव :- क्षमापना से वैमनस्य दूर हो जाता है एवं मन हल्का हो जाता है। हम मात्र इस भाव से कई मानसिक एवं शारीरिक बीमारियों से बच सकते है। उदाहरणार्थ क्रोध के भाव से शरीर में कोलेस्ट्रॉल का जमाव होने लगता है। दुर्बल व्यक्ति को ही अत्यधिक क्रोध आता है। अहम, बदले की भावना, क्रोध, ईर्ष्या भाव, गलती न मानना, दूसरे से आगे बढ़ने की इच्छा, अविवेकपूर्ण निर्णय आदि दुर्गुण मात्र क्षमा अपनाने से ही दूर हो सकते है। क्षमा भाव से परिवार में आपसी समन्वय, सद्भावना और एकता बनी रहती है। समाज भाईभाई बन रहता है, विकास की संभावनाएं बनती है। एक दूसरे के प्रतिद्वंदी के बजाय पूरक बनकर सहभागिता जन्म

लेती है।क्षमा भाव से हैप्पी हार्मोन्स का श्राव है, जो खुशी का कारण बनता है।

क्षमा सर्वधर्म समन्वय का आधार :-क्षमा अपनाने के केवल जैन धर्मावलंबियों का ही एकाधिकार नहीं है, तथापि जैन धर्म के शाश्वत सिद्धांतों की अनुगुलना करने वाला कोई भी व्यक्ति क्षमावाणी पर्व मना सकता है। क्षमा एक ऐसा आस्थाशोधक गुण है, जिसकी सभी को आवश्यकता होती है, क्योंकि मनुष्य को गलतियों का पुतला कहा जाता है। गलती मानना एवं उसमें सुधार करने का सभी को अधिकार होना चाहिए, इसी भावनुरूप उद्देश्य की पूर्ति हेतु क्षमा का उद्भव हुआ है। अन्तस के मूलगुण किसी धर्म –संप्रदाय से बंधे हुए नहीं होते, इसलिए क्षमापर्व सर्व धर्म समन्वय का आधार भी है। वैश्विक स्तर पर सीमा पर मनमुटाव, लड़ाई, मतभेद समाप्त होकर आपसी समन्वय एवं सद्भाव से पूरे विश्व में शांति स्थापित हो सकती है। रूस –यूक्रेन, चीन –ताइवान, इजराइल –फिलिस्तीन, भारत – पाकिस्तान आदि कई देशों के बीच जारी तनाव के बीच युद्ध विराम आसानी से हो सकता है, अभी हाल ही में आर्थिक मोर्चे पर शुरू हुआ टैरिफ वार का भी समाधान हो सकता है एवं विश्व में शांति का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। यह विश्व का अनोखा पर्व है, इस पर्व से विश्व की सभी समस्याओं के समाधान का मार्ग बन सकता है।

संकलन-भागचंद जैन
मित्रपुरा
अध्यक्ष अखिल भारतीय
जैन बैंकर्स फोरम जयपुर।

बाढ़ की आपदा में मुख्यमंत्री की राहत बनीं सहारा

बचाये गये, प्रभावितों को समुचित सहायता और राहत दी गई।

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार प्रदेश में अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर किए जा रहे हैं। आम जनता की सुरक्षा के लिए सरकार ने कई एहतियाती कदम उठाए हैं। दुर्घटना संभावित स्थानों पर सूचना बोर्ड लगाए जा रहे हैं और नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है। राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम का स्टीय क्रीटो ल रूम को टोल प्री नंबर 1077 लगातार सक्रिय हैं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीमें दिन-रात सक्रिय रहकर प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित कर रही हैं। मानसून के दौरान एनडीआरएफ, एसडीआरएफ के नागरिक सुरक्षा से लेकर चिकित्सा सेवाएं, खाद्य सामग्री की उपलब्धता सहित आवश्यक सेवाओं के सुचारु संचालन पर भी विशेष दिशा-निर्देश दिए और इनकी पालना में राज्यभर में बाढ़ में फंसे लोगों का पेशेवर दृष्टा से बचाव कर बहुमूल्य मानव जीवन

क्षेत्रों से लोगों को एयरलिफ्ट कर सुरक्षित आश्रय तक पहुंचाया भी जा रहा है। राहत शिविरों में भोजन, स्वच्छ जल और दवाइयों की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। प्रदेश में खरीफ 2025 में अतिवृष्टि से हुए फसल नुकसान के आकलन के लिए 1 अगस्त, 2025 से गिरदावरी का कार्य प्रारम्भ किया गया। गिरदावरी के कार्य उपरांत जिन जिलों में 33 प्रतिशत या इससे अधिक फसल खराब हुई है, वहां प्रभावित किसानों को केन्द्र सरकार के एसडीआरएफ नॉर्स के अनुसार कृषि आदान-अनुदान साहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा विद्यालयों और आंगनबाड़ी भवनों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए वर्षाजलित परिस्थितियों के चलते घोषित अवकाश के दौरान भवनों को निरीक्षण, जलनिकासी और आवश्यक मरम्मत का कार्य तुरंत पूरा करवाया जा रहा है ताकि बच्चों की सुरक्षा हर हाल में सुनिश्चित की जा सके।

राज्य सरकार द्वारा क्षतिग्रस्त सार्वजनिक परिसरपतियों की मरम्मत हेतु एसडीआरएफ नॉर्स के अंतर्गत

विभिन्न जिलों से मरम्मत कार्यों के प्रस्ताव प्राप्त किए गए हैं। इन कार्यों में सड़क, पुल, विद्यालय भवन, आंगनबाड़ी केंद्र और स्वास्थ्य संस्थानों की मरम्मत एवं पुनर्निर्माण के कार्य शामिल हैं। प्रदेश के 12 जिलों में अब तक 180.67 करोड़ रुपए के 8,867 कार्य संपीकृत किए जा चुके हैं। इन्में 4,183 विद्यालय भवनों के लिए 83.66 करोड़ रुपए, 930 आंगनबाड़ी भवनों के लिए 21.89 करोड़ रुपए, 165 पंचायत भवनों के लिए 3.57 करोड़ रुपए, 106 चिकित्सालय भवनों के लिए 2.08 करोड़ रुपए, 170 लघु सिंचाई योजनाओं के लिए 3.94 करोड़ रुपए, 3,128 सड़कों के लिए 64.34 करोड़ रुपए और 184 पुलों व पुलियाओं के लिए 1.14 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई है। इसी तरह, राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में सभी जिलों को बचाव उपकरणों के लिए 19.45 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। सभी संभागीय मुख्यालय वाले जिलों को 20-20 लाख रुपए तथा अन्य जिलों को 10-10 लाख रुपए की राशि प्रदान

की गई। साथ ही, अतिवृष्टि के दौरान जिलों की मांग के अनुसार अतिरिक्त आउटन किए जा रहे हैं।

राज्य में दक्षिण-पश्चिमी मानसून में अब तक वास्तविक वर्षा 608.65 मिमी रही, जो सामान्य से 62.50 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में प्रदेश के 22 जिलों में वर्षा असामान्य श्रेणी में दर्ज की गई, जिनमें अजमेर, बूंदी, कोटा, टोंक, नागौर, सवाई माधोपुर, सीकर, धोलपुर, श्रीगंगानगर, जयपुर, जोधपुर और करौली जैसे जिले प्रमुख रूप से शामिल हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे मौसम विभाग और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें, बहते हुए पानी और जलाशयों के निकट न जाएं, अपना आकलन लगाकर प्रायः से भरे रास्तों को पार करने का प्रयास न करें और किसी भी आपात स्थिति में नियंत्रण कक्ष से तुरंत संपर्क करें। प्रशासन की टीमें सजग और तत्पर हैं।

ईशा सैनी, एपीआरओ,
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग,
राजस्थान



पंडित अनिल शर्मा

मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरु-मिथुन, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में। आज कुमार योग सूर्योदय से रात्रि 8:03 तक है। आज से पितृ पक्ष मलयाद्र श्राद्ध आरम्भ होगा। आज प्रतिपदा का श्राद्ध है। आज क्षमावाणि पर्व-पड़वा लोक (जैन) है। आज पंचक है।
श्रेष्ठ जोषाद्विषा: अमृत सूर्योदय से 7:46 तक, शुभ 9:14 से 10:52 तक, चर 1:58 से 3:31 तक, लाभ-अमृत 3:31 से सूर्यास्त तक।
राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:13, सूर्यास्त 6:35

राशिफल

सोमवार 8 सितम्बर, 2025

आश्विन मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र रात्रि 8:03 तक, धृति योग रातः 6:30 तक, बालव करण दिन 10:25 तक, चन्द्रमा दिन 2:19 से मीन राशि में संवत् करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-कुम्भ, राहु-सिंह राशि में। आज कुमार योग सूर्योदय से रात्रि 8:03 तक है। आज से पितृ पक्ष मलयाद्र श्राद्ध आरम्भ होगा। आज प्रतिपदा का श्राद्ध है। आज क्षमावाणि पर्व-पड़वा लोक (जैन) है। आज पंचक है।
श्रेष्ठ जोषाद्विषा: अमृत सूर्योदय से 7:46 तक, शुभ 9:14 से 10:52 तक, चर 1:58 से 3:31 तक, लाभ-अमृत 3:31 से सूर्यास्त तक।
राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:13, सूर्यास्त 6:35



मेघ

अपने अति आवश्यक आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्याह्न पश्चात आर्थिक मामलों में अनावश्यक धन खर्च होगा।



तुला

व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में महत्वपूर्ण परामर्श मिल सकता है।



वृष

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्यों में वृद्धि होगी। संभावित खोत से धन प्राप्त होगा।



वृश्चिक

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। आज व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



मिथुन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक अंशवासन प्राप्त होगा। अटकें हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



धनु

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक अंशवासन प्राप्त होगा।



कर्क

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यक्तिगत परिणामों के कारण भागदौड़ रहेगी। दिन के मध्याह्न पश्चात अटकें हुए कार्य बनने लगेंगे।



कोटड़ा में सवा इंच बारिश, उदयपुर शहर का बड़ी तालाब छलका

आयड़ नदी का बहाव कम हुआ, बस्तियों के लोगों को राहत मिली

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर शहर में झीलों के लबालब होने में रविवार को बड़ी तालाब का नाम भी जुड़ गया। शहर के बीच स्थित सबसे बड़ी क्षमता वाली इस झील पर रविवार को चांदर चल गई। वहीं फतहसागर, पीछोला, स्वरूपसागर पहले ही ओवरफ्लो चल रहे हैं।

इधर, शहर में रविवार को आयड़ नदी का बहाव कम पड़ने से निचली बस्तियों में रह रहे लोगों ने राहत की सांस ली है। शहर की जिन कॉलोनियों में शनिवार को पानी घुस गया वहां लोगों ने दिनभर घरों की सफाई की और बेसमेंट में भरे पानी को मोटरों द्वारा बाहर निकाला। बीते 12 घंटों में उदयपुर जिले में रिमझिम बारिश का दौर चला जिले में सर्वाधिक बारिश कोटड़ा में 35 मिमी होने के समाचार मिले हैं।

उदयपुर शहर में शनिवार को



उदयपुर में सेवाश्रम की कनेक्टिंग पुलिया पर सड़क पर पानी बह रहा है।

आयड़ नदी के उफान पर आने के बाद बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई थी, लेकिन बारिश का थोड़ा कम पड़ने से

रविवार रात से ही आयड़ नदी का प्रवाह कम होने लगा ,जहां कल आयड़ नदी पूरे उफान के साथ उसके

नौ कोठे का टच करते हुए बह रही थी। वहीं इसका वेग कम हो गया। शहर के करजाली हाउस, साइफन

■ **उदयपुर में रविवार को भी रिमझिम बारिश हुई.**
उदयसागर के गेट 8-8 फीट खुले

कॉलोनी, आयड़, अलीपुरा, कृष्णपुरा, पुलां, टोकर, अहिंसापुरी कॉलोनियों में जहां घरों में पानी भर गया, वहां दिनभर लोगों ने घरों से पानी निकाल सफाई की।

इधर, फतहसागर झील के गेट एक इंच कम कर अब चारों गेट तीन-तीन इंच खुले हुए हैं वहीं स्वरूपसागर के दो गेट 1 फीट 6 इंच व दो गेट दो-दो फीट खुले हुए हैं। सीसारमा नदी अब भी छह फीट के वेग से बह रही है। देवास प्रथम के गेट भी 6 इंच खुले हुए हैं। वहीं उदयसागर के गेट 8-8 फीट खुले हुए हैं।

महात्मा गांधी सरकारी स्कूल का बरामदा गिरा, रात होने से हादसा टला

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के लोहारवाड़ा महात्मा गांधी सरकारी स्कूल का बरामदा शनिवार रात को भरभराकर ढह गया। बरामदे के आसपास के तीन कमरे भी क्षतिग्रस्त हो गए। रात का समय होने से स्कूल में कोई बच्चे और टीचर्स नहीं होने से बड़ा हादसा होने से टल गया। स्कूल के 8

■ **बरामदा गिरने से आसपास के तीन कमरे भी क्षतिग्रस्त**

■ **स्कूल के 8 कमरे जर्जर हालत में हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने का डर है**



डूंगरपुर शहर के लोहारवाड़ा महात्मा गांधी सरकारी स्कूल का बरामदा शनिवार रात को भरभराकर ढह गया।

कमरे जर्जरहाल हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने का डर है। स्कूल प्रशासन की ओर से इन कमरों में बच्चों को बैठाने से साफ इनकार किया गया है।

डूंगरपुर में बरसात का दौर चल रहा है। बारिश की वजह से कई भवनों को नुकसान पहुंचा है। वहीं झालावाड़ में स्कूल हादसे के बाद से ही सरकारी स्कूलों में जर्जर हाल कमरों में बच्चों को बैठाना बंद कर दिया है। शहर के लोहारवाड़ा स्कूल के प्रिंसिपल ने बताया कि आज सुबह स्कूल का जर्जर हाल बरामदा गिरने की सूचना मिली

थी। स्कूल जाकर देखा तो बरामदे की छत ढह गई थी। दीवारें भी क्षतिग्रस्त हो गईं। वहीं बरामदे के आसपास के तीन कमरों को भी नुकसान हुआ है। बरामदा गिरने की घटना रात के समय होने से बड़ा हादसा टल गया। स्कूल में बच्चे और स्टाफ के होने पर बड़ा हादसा हो सकता था।

प्रिंसिपल राजेश चौबीसा ने बताया कि स्कूल के 12 गुना 50 का बरामदा और 8 कमरे पूरी तरह से जर्जर हो चुके हैं। बरामदे के 2 पिलर पहले से

क्षतिग्रस्त हो चुके थे। जिससे कभी भी हादसे का डर पहले से था। इस वजह से इन कमरों में बच्चों को नहीं बैठाया जा रहा था। स्कूल में कक्षा पहली से 10वीं तक 180 स्टूडेंट पढ़ते हैं, लेकिन केवल 3 कमरे ही बचे हैं। ऐसे में बच्चों को कमरों में बैठाकर पढ़ाई करवाना मुश्किल हो रहा है। इसे लेकर कभी भी शिक्षा विभाग और प्रशासन को अवगत करवाया गया है। प्रिंसिपल ने स्कूल के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग रखी है।

डूंगरपुर जिले में तीन दिन से बारिश जारी

कनबा में सबसे अधिक साढ़े तीन इंच बरसात हुई

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर में तीन दिन से रुक-रुककर बरसात का दौर जारी है। रात के समय बरसात के बाद रविवार सुबह रिमझिम और हल्की बरसात से दिन की शुरुआत हुई। आसमान में घनघोर काले बादल छाए रहे। वहीं लगातार बारिश की वजह से कई बांध और तालाब लबालब होकर ओवरफ्लो बह रहे हैं। खेत भी तालाब में तब्दील हो गए हैं। कनबा में सबसे ज्यादा साढ़े तीन इंच बरसात हुई है।

मौसम विभाग की ओर से डूंगरपुर जिले में दो दिन तक बारिश के रेड अलर्ट के बाद रविवार को येलो अलर्ट है। सुबह के समय आसमान में घनघोर काले बादल छाए रहे। वहीं रिमझिम और हल्की बरसात से शुरुआत हुई। रुक-रुककर बरसात का दौर चल रहा है। तीन दिन से डूंगरपुर में रुक-रुककर तेज और हल्की बरसात हो रही है। बारिश की वजह से कई बांध, तालाब पर 2 से 3 फीट या इससे भी ज्यादा की चादर चल रही है।

जिले के सबसे बड़े सोम कमला आंबा बांध के तीन गेट से पानी की

■ **लगातार बारिश की वजह से कई बांध और तालाब लबालब होकर ओवरफ्लो बह रहे हैं**

निकासी हो रही है। वहीं दूसरी ओर बांसवाड़ा के माही डेम के गेट खुले होने से बेणेश्वर धाम टापू बना हुआ है। बेणेश्वर धाम के तीनों पुलिया पर पानी बह रहा है। जिससे आवाजाही पिछले 15 दिन से बंद है। डूंगरपुर में रविवार सुबह 8 बजे तक औसत डेढ़ इंच बरसात हुई। सबसे ज्यादा साढ़े 3 इंच (91 एमएम) बरसात कनबा में रिकॉर्ड हुई है। इसके अलावा डूंगरपुर शहर में ढाई इंच (68 एमएम), देवल में 65 एमएम, वैजा में 60 एमएम, गलियाकोट में 52 एमएम, चिखली में 41 एमएम, आसपुर में 33 एमएम, सोम कमला आंबा बांध क्षेत्र में 23 एमएम, गंधोला में 23 एमएम, सागवाड़ा में 26 एमएम, निठाउवा में 25 एमएम, गणेशपुर में 19 एमएम, साबला में 19 एमएम बारिश हुई है।

बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश, चोरी की 11 बाइक जब्त



पुलिस ने बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश कर तीन जनों को गिरफ्तार किया।

झुंझुनूं, (निसं)। कोतवाली पुलिस ने बाइक चोरों की एक गैंग को दबोचते हुए बाइक चोरियों की कई वारदातों का खुलासा किया है। आरोपियों से 11 चोरी की बाइक बरामद कर ली गई है। वहीं अन्य के लिए पृष्ठताछ जारी है। आरोपी ना केवल झुंझुनूं, बल्कि सीकर और जयपुर ग्रामीण जिलों में भी लगातार चोरी की वारदातें कर रहे थे।

एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि पिछले माह ही 24 अगस्त को झुंझुनूं शहर के एक निजी अस्पताल के बाहर से बाइक चोरी हुई थी, जिसके बाद से कोतवाली पुलिस लगातार चोरों का पीछा कर रही थी। करीब 300 सीसीटीवी फुटेज देखकर चोरों तक पुलिस पहुंचने वाली थी कि मुखबिर के जरिए इत्तला मिली कि गुढ़ा रोड पर एक बाइक पर तीन युवक आ रहे हैं, जिनके पास चोरी की बाइक है। जिस पर पुलिस ने तीनों युवकों को बाइक के साथ

■ **झुंझुनूं, सीकर और जयपुर ग्रामीण जिलों में भी लगातार चोरी की वारदातें कर रहे थे आरोपी**

■ **आरोपियों से पृष्ठताछ करने पर करीब दो दर्जन चोरी की वारदातें कबूल की**

दबोचा। यह बाइक चोरी की थी। आरोपियों से पृष्ठताछ की तो उन्होंने सीकर और जयपुर ग्रामीण समेत झुंझुनूं जिले में करीब दो दर्जन चोरी की वारदातें कबूली है। आरोपियों की निशानदेही पर नेशनल हाइवे के निर्माणाधीन पुल के पास मलसीसर रोड की पहाड़ी की तलहटी से 10 और चोरी की बाइक

बरामद की गई है। इसी तलहटी में आरोपियों ने चोरी की बाइक का गोदाम बना रखा था। आरोपी जल्द ही सभी बाइकों को ठिकाने लगाने वाले थे कि उससे पहले ही पुलिस ने उन्हें घर दबोचा। गिरफ्तारी तीनों आरोपी सीकर के खंडेला थाना इलाके के कोटड़ी निवासी दीपक पुत्र रिछपाल सिंह जाट, वार्ड नंबर सात खंडेला निवासी सचिन पुत्र मनोहरलाल गुर्जर तथा लुहारवास निवासी विकास कुमार पुत्र सुरेंद्र कुमार मेघवाल है, जिनके आपराधिक रिकॉर्ड को भी खंगाला जा रहा है। साथ ही अन्य वारदातों को लेकर पृष्ठताछ की जा रही है।

एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि सभी बाइकों के चैंसिस नंबर लेकर इनके मालिकों को सूचित किया जा रहा है। इसके अलावा आरोपी एक ही मॉडल की बाइकों को चुराते थे। आरोपी हीरो हॉन्डा की स्पेंडेंडर बाइक का लॉक तोड़ने में माहिर है।

युवक ने आत्महत्या की

अलवर, (निसं)। बहरोड़ के सदर थाना क्षेत्र के कारोड़ा गांव में शनिवार रात को 35 वर्षीय व्यक्ति ने अज्ञात कारणों के चलते आत्महत्या कर ली। उसका शव घर के बाहर एक पेड़ पर लटकना मिला। रविवार सुबह शव को परिजनों ने ग्रामीणों की सहायता से पेड़ से उतारा और अंतिम संस्कार करने के लिए गांव के श्मशान घाट लेकर चले गए। अंतिम संस्कार करने की तैयारी चल रही थी, तभी मृतक के रिश्तेदारों की सूचना पर सदर थाना पुलिस श्मशान घाट पहुंची और अंतिम संस्कार रुकवाकर शव को जिला अस्पताल की मॉर्चरी में ले गई। बाद में जिला अस्पताल के चिकित्सकों के बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

बहरोड़ के सदर थाना के एएसआई ने बताया कि पुलिस को कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि कारोड़ा गांव में राकेश की किसी ने हत्या कर दी है और शव का अंतिम संस्कार किया जा रहा है।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। क्षेत्र के एक युवक पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप युवती ने लगाया है। युवती के आरोपों के आधार पर आरोपी युवक रविन्द्र को भाबरू थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भाबरू थाना प्रभारी अंकित सामरिया ने बताया कि एक युवती ने पुलिस थाना भाबरू में एक युवक के खिलाफ शादी का झांसा देकर उससे दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था। युवती ने अपनी शिकायत में कहा कि युवक उससे पिछले चार साल से शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए व रूपही भी उधार लिए एवं ब्लैकमेल करने की नियत से अश्लील फोटो व वीडियो बना लिए।

युवती ने बताया कि युवक पहले से ही शादीशुदा है। वह भरे घरवालों द्वारा

कहीं भी मेरा रिश्ता करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी देता है। जिस से युवती ने पुलिस थाना भाबरू में युवक के खिलाफ मामला दर्ज कराया। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू की।

जानकारी के अनुसार जिला कोटपुतली बहरोड़ पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र विश्नेों द्वारा वांछित अराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे अभियान की पालना में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली वैभव शर्मा के सुपरविजन एवं वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के निर्देशन एवं भाबरू थाना प्रभारी अंकित सामरिया के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा घटना की गंभीरता से लेते हुए तकनीकी सहयोग और आसूचना के आधार पर आरोपी रविन्द्र पुत्र जंगाराम को गिरफ्तार किया गया।

लव जिहाद और धर्मांतरण के बढ़ते मामले एक गंभीर खतरा : सुनील आंबेकर

जोधपुर, (कासं)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने लव जिहाद और धर्मांतरण के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई। आंबेकर ने कहा कि जबरदस्ती, प्रलोभन या धोखे से किया गया धर्मांतरण अनुचित है। इससे समाज में अशांति फैल सकती है। यह समस्या केवल धार्मिक ही नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक सद्भाव के लिए भी एक गंभीर खतरा है। आंबेकर ने रविवार को यहां पत्रकार वार्ता में लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण को सामाजिक उपद्रव बताया। उन्होंने कहा कि इन्हें हर हाल में रोकना ही हमारा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भावना के लिए एक गंभीर चुनौती है। इस समस्या का समाधान एक लंबी प्रक्रिया है, लेकिन हमें विश्वास है कि जल्द ही अनुकूल परिस्थितियां बनेंगी।

आंबेकर ने जोधपुर के लालसागर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय समन्वय बैठक के

■ **जबरदस्ती, प्रलोभन या धोखे से किया गया धर्मांतरण अनुचित है, इससे समाज में अशांति फैल सकती है**

■ **राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण को सामाजिक उपद्रव बताया**

आखिरी दिन मीडिया से बातचीत में कहा कि संघ का मानना है कि समाज के सभी वर्गों को एकजुट होकर इस समस्या का सामना करना होगा, क्योंकि धर्मांतरण के खिलाफ यह संघर्ष न केवल हिंदू धर्म की रक्षा का मामला है, बल्कि भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय अस्मिता को बचाने का भी प्रश्न है।

सुनील आंबेकर ने कहा कि जनजातीय और वनवासी क्षेत्रों में धर्मांतरण की समस्या अधिक गंभीर रूप धारण कर रही है। वनवासी कल्याण आश्रम जैसे संगठनों द्वारा जनजातीय क्षेत्रों में छात्रावास और अधिकार संबंधी कार्यों के बावजूद भी

स्थिति चिंताजनक है। आंबेकर ने कहा कि वनवासी कल्याण आश्रम संगठन ने जनजाति क्षेत्र में छात्रावास विशेषकर वनवासियों के जो जनजाति लोगों के अधिकार हैं, उसके संदर्भ में भी लगातार पहल की है। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण की समस्या से निपटने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उससे जुड़े संगठनों की व्यापक रणनीति तैयार की गई है। संघ के स्वयंसेवक हिंदू समाज के साधु-संत और जागरूक व्यक्तियों के साथ मिलकर इस समस्या पर काम कर रहे हैं। आंबेकर ने बताया कि जो धर्म परिवर्तन जबरदस्ती से लालच से या भ्रमित करते हुए किया

जाता है, वह सदा ही अनुचित है। इसको उजागर करने के लिए जगह-जगह साधु, संत और हिंदू समाज के बहुत सारे जागरूक लोग लगे हुए हैं। विश्व हिंदू परिषद और अन्य संगठनों द्वारा व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। समाज के उन लोगों तक पहुंचने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। आंबेकर ने कहा कि समाज में कोई भी व्यक्ति ऐसा न छूटे। वह चाहे किसी जाति का हो, जनजाति का हो, गरीब हो, कहीं सुदूर रहता हो, वहां तक यह बात पहुंचे। इसके लिए सभी लोग प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि विभिन्न संगठनों द्वारा लीगल तरीके से कई सारे मामले दर्ज कराए गए हैं। धर्मांतरण के मामलों को उजागर (एक्सपोज़े) करने और न्यायालयों में ले जाने का काम निरंतर किया जा रहा है। सेवा भारती और अन्य संगठन सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों की सहायता करके धर्मांतरण रोकने का काम कर रहे हैं। आंबेकर ने बताया कि विजयादशमी के

वृद्धा की गला रेतकर हत्या के मामले का खुलासा, आरोपी पति गिरफ्तार

पूछताछ में पता चला कि नशे में आए दिन पत्नी से झगड़ा होता रहता था

उदयपुर, (कासं)। घर में घुस वृद्धा की धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या के मामले में का खुलासा करते हुए पुलिस ने अनुसंधान के बाद मृतका के पति को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार पीड़ित विसाराम निवासी रावठ ने सायरा पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि गुरुवार रात अज्ञात हमलावरों ने घर में घुसकर धारदार हथियार से हमला कर मेरी पत्नी मैतीबाई (60) की हत्या कर फरार हो

■ **पुलिस को जिसने रिपोर्ट दी थी, वही पत्नी का हत्यारा निकला**

गए। हमले में घायल होने पर मैतीबाई को परिजन उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला

पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपालस्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उपाधीक्षक सूर्यवीर सिंह के सुपरविजन में सायरा थानाधिकारी किशोर सिंह शक्तावत के नेतृत्व में गठित दल ने मौके से मिले साक्ष्यों एवं पीड़ित से की गई पृष्ठताछ के आधार पर मृतका के पति आरोपी वीसागर पुत्र कन्नाजी गमती निवासी रावठ सायरा को गिरफ्तार किया। प्रारंभिक पृष्ठताछ में पता चला

कि शराब के नशे में आए दिन पत्नी से झगड़ा होता रहता था। घटना वाली रात में बच्चे घर पर नहीं थे पत्नी व मै घर पर अकेले थे। रात के समय में पड़ोसी के यहां करियावार में गया, जहां से घर लौटा तो शराब के नशे में होने से मैती ने खरी खोटी सुनाई और आवेश में आकर पति विसाराम ने दीवार पर लगे कांच पर मुक्का मारा, जिससे टूटे कांच से एक टुकड़ा उठा कर पत्नी मैती के गर्दन में घुसा हत्या कर दी।

तीन मंजिला मकान गिरने से महिला की मौत

उदयपुर, (कासं)। शहर के धानमंडी क्षेत्र में स्थित एक तीन मंजिला मकान के गिरने पर महिला की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को धानमण्डी थाना क्षेत्र सुधारवाड़ा निवासी लक्ष्मी बाई साहू (60) पत्नी नारायणलाल की मकान की तीसरी मंजिल से गिरने पर मौत हो गई। लक्ष्मी मकान की तीसरी मंजिल से नीचे उतर रही थी संतुलन बिगड़ने पर वह नीचे गिर पड़ी। परिजन उसे उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय ले गए जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हेडकॉन्स्टेबल भगवानलाल ने मृतका का पोस्टमॉर्टम करवा शव परिजनों को सौंपा।

साइबर ठगी का एजेंट गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। गोविंदगढ़ पुलिस ने ऑपरेशन साइबर संग्राम के तहत बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एटीएम से साइबर फ्राड की राशि निकालते एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी को पहचान सुरेंद्र सिंह के रूप में हुई है। वह खेड़ली बहादुर थाना गोविंदगढ़ का रहने वाला है। उसके पास से 70 हजार रुपए नकद, तीन फर्जी एटीएम कार्ड, एक बाइक और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। थाना अधिकारी बनेसिंह मीणा ने बताया कि आरोपी को सरकारी अस्पताल के पास स्थित एसबीआई एटीएम से पकड़ा गया। पृष्ठताछ में पता चला कि वह साइबर ठगी से जुटाई गई राशि को एटीएम से निकालने का काम करता था। इस काम के लिए उसे निकाली गई राशि का पांच प्रतिशत कमीशन मिलता था।

एसआई भर्ती रद्द करने के विरोध में प्रदर्शन

जोधपुर, (कासं)। एसआई भर्ती-2021 को रद्द करने के विरोध में सर्व समाज ने रविवार को कलेक्ट्रेट के बाहर धरना देकर प्रदर्शन किया। धरने में विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शिरकत की।

जोधपुर, (कासं)। एसआई भर्ती-2021 को रद्द करने के विरोध में सर्व समाज ने रविवार को कलेक्ट्रेट के बाहर धरना देकर प्रदर्शन किया। धरने में विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शिरकत की। वहीं बड़ी संख्या में महिलाएं भी पहुंची। प्रदर्शनकारियों ने एस आई भर्ती को रद्द नहीं करने की मांग की। धरने में पहुंचे लोगों का कहना है कि एसआई भर्ती 2021 में पास हुए कई अभ्यर्थी ऐसे थे, जिन्होंने कड़ी मेहनत कर परीक्षा को पास किया था। भर्ती रद्द होने से उनके भविष्य का सपना खिलवाड़ हो रहा है। मेहनत कर पास हुए अभ्यर्थियों के साथ भर्ती रद्द होना अन्याय है। ऐसे अभ्यर्थी अब कहाँ

■ **धरने में विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शिरकत की**

जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार भर्ती रद्द करने के बजाय, जिन्होंने बेइमानी से परीक्षा देकर पास हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए, जिससे मेहनत कर सिलेक्ट हुए अभ्यर्थियों के साथ अन्याय नहीं हो। धरना स्थल पर सधन सिंह खोंगटा, गोपाल सिंह भलासरिया, शंभू सिंह मेड़तिया सहित विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग और महिलाएं भी शामिल हुए।

सत्ता के लोभ और तुष्टिकरण की राजनीति ने कराया देश का बंटवारा : भजनलाल शर्मा

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर जयपुर में संगोष्ठी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस पर लगाए तीखे आरोप

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारत का विभाजन किसी मजबूरी का परिणाम नहीं था, बल्कि यह सत्ता के लोभ और कांग्रेस की मंजूरी का दुष्परिणाम था। उन्होंने कहा कि विभाजन मानव इतिहास की सबसे भीषण त्रासदियों में से एक है, जिसमें 10 लाख लोगों की हत्या हुई, लाखों परिवार उजड़ गए और निर्दोष हिंदुओं को अमानवीय पीड़ा झेलनी पड़ी। भाजपा जयपुर शहर की ओर से बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा, जिस पार्टी ने सत्ता के लिए देश को बांटा, वह देश को कभी जोड़ नहीं सकती। जो लोग तुष्टिकरण और स्वार्थ की राजनीति करते आए हैं, उनके कारण ही पाकिस्तान से आने वाली ट्रेनें लाशों से भरी आती थीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान से विस्थापित हिंदुओं को नागरिकता देने की जिम्मेदारी जिन सरकारों पर थी, वे असफल रहीं, यहां तक कि उनकी संपत्ति का मुआवजा तक देने से इनकार कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने इन ऐतिहासिक



भाजपा जयपुर शहर की ओर से बिड़ला सभागार में आयोजित “विभाजन विभीषिका” स्मृति दिवस संगोष्ठी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वागत किया गया।

गलती को सुधारा है और नागरिकता देने की प्रक्रिया को पूरा कर पीड़ितों को न्याय दिलाया है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने विभाजन के समय लाखों शरणार्थियों की सेवा की, जबकि तब की सत्ता में बैठे लोग केवल

राजनीति करते रहे। कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक अशोक परनामी ने भी कांग्रेस और गांधी परिवार को विभाजन के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यदि सत्ता सरदार वल्लभभाई पटेल के हाथों में होती, तो देश का बंटवारा टल

सकता था। उन्होंने कहा कि यह दिवस राजनीतिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि इतिहास की सच्चाई को सामने लाने और उससे सबक लेने के लिए मनाया जा रहा है।

। परनामी ने कहा, पाक से आने वाला हर हिन्दू शरणार्थी नहीं, पुरुषार्थी

है। प्रधानमंत्री मोदी ने 14 अगस्त को ‘विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस’ घोषित कर पीड़ितों की पीड़ा को इतिहास के अंधेरे पन्नों से निकालकर देश के सामने रखने का काम किया है।

जयपुर जिला अध्यक्ष अमित गोयल ने स्वागत भाषण में बताया कि विभाजन के दौरान 1.5 करोड़ लोग बेघर हुए, 5.5 हजार महिलाओं की अस्मिता से खिलवाड़ हुआ और 10 लाख लोग भारे गए। उन्होंने कहा कि यह दिन हमें इतिहास से सीख लेकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में भारी भीड़ उमड़ी और जगह कम पड़ने के कारण सैकड़ों लोग मुख्यमंत्री को सुनने से वंचित रह गए। मंच संचालन पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दीपा कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, अरुण चतुर्वेदी, राजेन्द्र राठीड़, कैलाश चौधरी, सौम्या गुर्जर, सहित भाजपा के अनेक वरिष्ठ नेता, मंत्री, विधायक और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था - देश के विभाजन की सच्चाई को जन-जन तक पहुंचाना और उन पीड़ितों को स्मरण करना, जिन्होंने आजादी की कीमत अपने घर, परिवार और जीवन से चुकाई।

गहलोत ने जो कार्य 5 साल में नहीं किए, वो भजनलाल ने पौने 2 साल के कार्यकाल में कर दिए : अशोक परनामी

राजनीति मजे के लिए नहीं, जनसेवा के लिए होती है गहलोत साहब : अशोक परनामी

जयपुर (कासं)। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी ने अशोक गहलोत के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि गहलोत बताए कि उनके सलाहकार कौन थे, जिन्होंने उन्हें अपने ही युवा नेताओं को नाकारा-निकम्मा बोलने की सलाह दी थी। गहलोत ने पिछले पांच साल सिर्फ कुर्सी की लड़ाई में और आपसी झगड़ों में निकाल दिए। मैं गहलोत से पूछना चाहता हूं कि वे युवाओं के विरोध में क्यों हैं? गहलोत साहब, राजनीति मजे के लिए नहीं बल्कि जनसेवा के लिए होती है और यह बात मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा वखूबी साबित कर रहे हैं। अब ऐसा लगता है कि अशोक गहलोत युवा और किसान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन और विकास कार्यों को पचा नहीं पा रहे हैं।

परनामी ने कहा कि गहलोत यह नरेन्द्र मोदी के सपनों का भारत है। भाजपा सरकार संगठन के साथ एकमुखी होकर जनता को विकास की योजनाएं दे रही है। गहलोत अपने तीन बार के मुख्यमंत्री कार्यकाल में जो कार्य



भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी ने रविवार को पत्रकारों से रूबरू होकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधा।

नहीं करा सके, वे सभी काम जन-जन के लाड़ले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने 20 माह के ही कार्यकाल में कर दिखाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जो कहते हैं उसे पूरा करते हैं। भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल में संकल्प पत्र में किए गए वादों में से 50 प्रतिशत से अधिक वादों को पूरा कर

दिखाया है। भजनलाल शर्मा ने प्रदेश को ईआरसीपी, यमुना जल समझौते की सौगात दी। बिजली में प्रदेश को आत्मनिर्भर बना रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ। युवाओं को 75 हजार से अधिक सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि गहलोत झूठे वादे

■ उन्होंने कहा कि “गहलोत युवा और किसान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन और विकास कार्यों को पचा नहीं पा रहे हैं।”

करके ही हमेशा सत्ता में आए। उनके पिछले कार्यकाल में पेपरलीक की घटनाओं ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। प्रदेश की जनता को उनका जंगल राज याद है, जब प्रदेश महिला अपराध में नम्बर वन, महंगी बिजली में नम्बर वन था। उन्होंने कर्मजाफी का झूठा वादा कर किसानों को लूटा, पेट्रोल-डीजल से जनता की जेब पर डाका डाला। गहलोत के कार्यकाल में प्रदेश प्रश्नाचार में नम्बर वन था। उन्होंने कहा कि गहलोत को नकारात्मक राजनीति छोड़कर सकारात्मक राजनीति करनी चाहिए, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अच्छे कार्यों की प्रशंसा करनी चाहिए और अपने सुझाव भी देने चाहिए।

8 2 प्रतिशत भारतीय ट्रैवलर्स की पसंद हैरिटेज और फेस्टिवल टूरिज्म : ललित के. पंवार

1 2वां आईएचएचए एनुअल कन्वेंशन और 2 4वीं एनुअल जनरल मीटिंग संपन्न

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर । हाल ही में जारी सांस्कृतिक पर्यटन रिपोर्ट बताती है कि 82 प्रतिशत भारतीय पर्यटक हैरिटेज और त्रैवलर्स के लिए यात्रा करना पसंद करते हैं। पर्यटन वर्तमान में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) में लगभग 5 प्रतिशत का योगदान देता है। अगर हम इसे बढ़ाकर 10

- **कैसल कानोता में पूरे भारत से लगभग 150 हैरिटेज होटेलियर्स शामिल**
- **दो दिनों के दौरान विविध विषयों पर ज्ञानवर्धक एवं रोचक सत्रों का हुआ आयोजन**
- **इस कन्वेंशन में पहला ठाकुर रणधीर विक्रम सिंह मंडावा मेमोरियल अवॉर्ड प्रदान किया गया**



हैरिटेज टूरिज्म के प्रख्यात नाम स्वर्गीय रणधीर विक्रम सिंह मंडावा की स्मृति में उनकी बेटीयां रोहिणी सिंह, निर्यति सिंह और भतीजे अंगद ने रविवार को नीमराणा होटल्स के चेयरमैन अमन नाथ को मंडावा ठाकुर रणधीर विक्रम सिंह मंडावा मेमोरियल अवार्ड प्रदान किया। यह पुरस्कार हैरिटेज हॉस्पिटैलिटी के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए दिया गया।

विकास के लिए अच्छे संकेत है।भारत में हैरिटेज टूरिज्म एवं पर्यटन को प्रमोट करने के उद्देश्य के साथ आयोजित इंडियन हैरिटेज होटल्स एसोसिएशन (आईएचएचए) के दो दिवसीय 12वें आईएचएचए एनुअल कन्वेंशन और 24वीं एनुअल जनरल मीटिंग का जयपुर स्थित कैसल कानोता में सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस दो दिवसीय कन्वेंशन के दौरान विविध विषयों पर ज्ञानवर्धक एवं रोचक सत्रों का हुआ आयोजन, जिसमें पर्यटन एवं हैरिटेज प्रॉपर्टीज के भविष्य और संरक्षण पर चर्चा की गई।

ठाकुर रणधीर विक्रम सिंह मंडावा मेमोरियल अवॉर्ड

इस अवसर पर पहली बार हैरिटेज हॉस्पिटैलिटी के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए ठाकुर

रणधीर विक्रम सिंह मंडावा मेमोरियल अवॉर्ड प्रदान किया गया। यह अवॉर्ड आईएचएचए के प्रेसिडेंट एमिरेट्स, एचएच महाराजा गज सिंह द्वारा नीमराणा होटल्स के चेयरमैन अमन नाथ को प्रदान किया गया।

इस दौरान स्वर्गीय रणधीर विक्रम सिंह मंडावा की बेटीयां रोहिणी सिंह, निर्यति सिंह और भतीजे अंगद मंडावा उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि रणधीर विक्रम सिंह मंडावा का जब निधन हुआ था, तब वे आईएचएचए के अध्यक्ष थे। वे हैरिटेज टूरिज्म के क्षेत्र में प्रख्यात नाम रहे हैं, जिन्हें विश्व पर्यटन में मंडावा और शेखावाटी क्षेत्र को आगे लाने का श्रेय जाता है।

फ्यूचर ऑफ टूरिज्म पर सत्र

कन्वेंशन के दौरान फ्यूचर ऑफ टूरिज्म विषय पर एक ज्ञानवर्धक पैनेल चर्चा का

आयोजन हुआ। इस चर्चा के दौरान राजस्थान के युवा होटेलियर्स पैनेल में शामिल हुए। उन्होंने गेस्ट द्वारा किसी जगह की मौखिक रूप से तारीफ (वर्ड ऑफ माउथ पब्लिसिटी) करने को आज के समय में भी प्रासंगिक बताया। उन्होंने कहा कि इसका प्रभाव अन्य गेस्ट्स पर भी ज्यादा असरदार होता है।

वहीं, सोशल मीडिया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे कई नए डिजिटल टूल्स को मदद से अब ऐसी जगह भी लोगों के सामने आ रही हैं, जो पहले पर्यटकों की नजरों से छुपी हुई थीं। उन्होंने बताया कि आज के समय में किसी भी ब्रांड के लिए ऐसा इन्फ्लुएंसर चुनना जरूरी हो गया है, जो उसकी कहानी को उस भाव के साथ लोगों तक पहुंचा सके, जैसा भाव उस कहानी में छुपा होता है। इस सत्र में एम.के.जयदेव सिंह कोटा, अविजीत सिंह रोहट, भाग्यदित्य सिंह देवगढ़ और मोरमुकुट सिंह कानोता ने हिस्सा लिया।

“रिवाइविंग द डाइंग आर्ट एंड क्राफ्ट” पर चर्चा

इस दौरान एक महत्वपूर्ण पैनेल चर्चा रिवाइविंग द डाइंग आर्ट एंड क्राफ्ट विषय पर आयोजित हुई। जिसमें प्राणी सिंह जामवाल, युवरागी राठीड़, शान भटनागर और देव्यानी भटनागर ने अपने विचार साझा किए। वक्ताओं ने कहा कि राजस्थानी पहनावा, पारंपरिक संगीत, स्थानीय व्यंजन और त्योहार न सिर्फ हमारी संस्कृति की पहचान हैं, बल्कि ये हमें अपनी जड़ों से भी जोड़े रखते हैं।

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि किसी भी कला या शिल्प को जीवित रखने के लिए उसका इतिहास और उससे जुड़ी कहानियां जानना और समझना बेहद जरूरी है।

सरकार ने शुरू की “विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना”

यह योजना राजस्थान में युवाओं के लिए स्वरोजगार की नई राह बनेगी

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार ने युवाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए “विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना” को मंजूरी दी है। यह योजना राज्य मंत्रिमंडल की 23 अगस्त 2025 को हुई बैठक में अनुमोदित की गई, जिसका उद्देश्य युवाओं में उद्यमशीलता को बढ़ावा देना और उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करना है। सरकार का मानना है कि युवा शक्ति को यदि उचित संसाधन, प्रशिक्षण और आर्थिक सहायता मिले, तो वे रोजगार मांगने वाले नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बन सकते हैं। इसी सोच को साकार रूप देने के लिए यह योजना तैयार की गई है।

इस योजना के तहत 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को वित्तीय संस्थानों के माध्यम से कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि वे अपना नया उद्यम स्थापित कर सकें या पहले से चल रहे व्यवसाय का विस्तार, विविधीकरण या आधुनिकीकरण कर सकें।

■ इसके तहत 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को वित्तीय संस्थानों के माध्यम से कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि वे अपना नया उद्यम स्थापित कर सकें या पहले से चल रहे व्यवसाय का विस्तार, विविधीकरण या आधुनिकीकरण कर सकें।

तक का ऋण लेते हैं, तो उन्हें एक प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज अनुदान मिलेगा।

इसके अलावा ऋण पर 2.5 प्रतिशत अथवा अधिकतम 5 लाख रुपये तक की मार्जिन मनी भी सरकार द्वारा अनुदान के रूप में दी जाएगी, जिससे उद्यम की स्थापना या विस्तार और अधिक सुलभ हो सकेगा।राज्य सरकार का यह प्रयास केवल ऋण और सब्सिडी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक नीति का हिस्सा है, जिसके माध्यम से प्रदेश में युवाओं के लिए स्वरोजगार की मजबूत नींव रखी जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अनुसार, युवा ही प्रदेश और देश का भविष्य हैं, और उन्हें सशक्त बनाने के लिए सरकार लगातार नई योजनाएं और नीतियां ला रही है। राजस्थान स्किल पॉलिसी, युवा रोजगार प्रोत्साहन योजना और युवा नीति 2025 जैसे कदम भी इसी दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सरकार का लक्ष्य अगले 5 वर्षों में चार लाख सरकारी भर्तियों और छह लाख निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित करने का है।विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना निश्चित रूप से प्रदेश में स्वरोजगार को नई गति देगी और आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में युवाओं को एक सशक्त मंच प्रदान करेगी।

बाधाएं काफी हद तक दूर होंगी और युवा नवाचार व व्यवसायिक गुणवत्ता पर बेहतर ढंग से ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। राज्य सरकार ने योजना को समावेशी स्वरूप देते हुए विशेष वर्गों के लिए अतिरिक्त लाभ भी सुनिश्चित किए हैं। महिला, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांगजन, ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित उद्यम, और काइधारी बुनकर एवं शिल्पकार यदि 1 करोड़ से अधिक और 2 करोड़ रुपये

इस योजना में अधिकतम 2 करोड़ रुपये तक के ऋण पर 8 प्रतिशत तक ब्याज अनुदान देने का प्रावधान है। इससे स्वरोजगार की राह में आने वाली वित्तीय



कांग्रेस और आरजेडी के मंच से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माताजी के लिए इस्तेमाल किए गए अपशब्दों के विरोध में रविवार को मालवीय नगर मंडल के तत्वावधान में जीटी सेंटर के बाहर सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ विधायक कालीचरण सराफ ने राहुल गांधी का पुतला दहन किया।

राजस्थान मसाला कॉन्क्लेव आज

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आतिथ्य में सोमवार को बिरला सभागार में प्रदेश के मसालों से जुड़े कुशकों, व्यापारियों, निर्यातकों एवं अन्य मसाला हितधारकों के लिए कृषि विपणन विभाग-बोर्ड द्वारा राजस्थान मसाला कॉन्क्लेव-2025 का आयोजन होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा 226 करोड़ रुपए की लागत से हुए 143 निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा।

राजस्थान में स्वास्थ्य सेवा में नवाचार और मानक सुधार जारी : चिकित्सा मंत्री

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खीवसर के नेतृत्व में राजस्थान में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नवाचारों ने प्रदेश की सेहत की तस्वीर बदल दी है। निरामय राजस्थान अभियान, मिशन मधुहारी, मिशन लीवर स्माइल, स्तनपान प्रबंधन इकाइयां, हिमोडायलिसिस वार्ड और मुख्यमंत्री आयुष्मान आदर्श ग्राम पंचायत योजना जैसी पहलों के माध्यम से आमजन को बेहतर, सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

इन योजनाओं के प्रभाव से न केवल ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हुआ है, बल्कि प्रदेश के दूर-दराज और आदिवासी इलाकों में भी बीमारियों का प्रभावी इलाज हो रहा है। निरामय राजस्थान अभियान के तहत हर माह स्वास्थ्य जागरूकता की एक थीम पर आमजन को स्वस्थ जीवशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। मिशन मधुहारी के तहत टाउप-1 डायलैबिडीज रोगियों को निःशुल्क इंसुलिन और ग्लूकोमीटर उपलब्ध कराए जा रहे हैं,

जबकि मिशन लीवर स्माइल से लीवर रोगों के प्रति जागरूकता और समय पर इलाज सुनिश्चित किया जा रहा है।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को मजबूत करने के लिए स्तनपान प्रबंधन इकाइयों की स्थापना की गई है, जो नवजात शिशुओं को मां का दूध उपलब्ध कराने में सहायक है। किडनी रोगियों के लिए जिला अस्पतालों में हिमोडायलिसिस वार्ड बनाकर डायलिसिस सेवाएं सुलभ की गई हैं। मुख्यमंत्री आयुष्मान आदर्श ग्राम पंचायत योजना के माध्यम से ग्रामीण स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाकर आदर्श ग्रामों का निर्माण किया जा रहा है। स्वस्थ नारी चेतना अभियान के अंतर्गत एचआईवी संक्रमित महिलाओं की सर्वांकल कैसर स्क्रीनिंग की गई, जिससे समय पर इलाज की सुविधा मिली है। इन समर्पित प्रयासों से राजस्थान में स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता और पहुंच में सुधार हुआ है और प्रदेशवासी स्वस्थ जीवनशैली की ओर जागरूक हो रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूरदर्शी नीतियों ने राजस्थान को स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक नई दिशा दी है।

बजरंग दल चलाएगा देशव्यापी नशा मुक्ति अभियान

जयपुर। युवाओं में तेजी से बढ़ रही नशे की लत को गंभीर चिंता का विषय मानते हुए बजरंग दल ने देशभर में नशा मुक्ति अभियान शुरू करने की घोषणा की है। जयपुर प्रवास के दौरान आयोजित प्रेस वार्ता में बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक नीरज दौनेरिया ने कहा कि यह अभियान व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा, जिसमें विद्यालयों, महाविद्यालयों और समाज इलाज की सुविधा मिली है। इन समर्पित प्रयासों से राजस्थान में स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता और पहुंच में सुधार हुआ है और प्रदेशवासी स्वस्थ जीवनशैली की ओर जागरूक हो रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूरदर्शी नीतियों ने राजस्थान को स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक नई दिशा दी है।

■ स्कूल-कॉलेजों और समाज में होंगे जागरूकता कार्यक्रम

प्रशासन के साथ समन्वय कैसे बढ़ाया जाए। नीरज दौनेरिया ने कहा कि देश के अधिकांश प्रमुख मंदिरों का नियंत्रण सरकार के पास है, जबकि विविध पंथ मानना है कि मंदिरों का प्रबंधन हिंदू समाज के लोगों द्वारा किया जाना चाहिए तथा मंदिरों की आय केवल हिंदू समाज के हितों में खर्च की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि इस विषय पर आगामी बैठकों में ठोस रणनीति बनाई जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर देशभर के मुख्यमंत्रियों, विधायकों से संवाद स्थापित किया जाएगा। साथ ही जनजागरण अभियान, सम्मेलन और जनसभाएं भी आयोजित की जाएंगी।



अभी मेरे पास आईपीएल 2026 को लेकर काफी समय है कि, वो आईपीएल का नया सीजन खेलेंगे या नहीं इस पर मैं सही समय आने पर फैसला लूंगा।

- महेंद्र सिंह धोनी

भारतीय बल्लेबाज, आईपीएल 2026 में अपने खेलने को लेकर बोलते हुए।



खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶



टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज में खेलते हुए नजर आएंगे। कोहली ने पिछले एक साल के अंदर ही टी-20 और टेस्ट से संन्यास ले लिया है, ऐसे में वह सिर्फ वनडे फॉर्मेट में भारत के लिए खेलेंगे। वनडे वर्ल्ड

क्या आप जानते हैं? ... 1900 से पहले, क्रिकेट खेल भारत में धीरे-धीरे प्रमुखता हासिल करने लगा था। 1884 में, श्रीलंका की एक टीम ने कोलकाता में एक मैच खेला, जो देश में पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की शुरुआत का प्रतीक था।

विराट कोहली

राष्ट्रदूत अजमेर, 8 सितम्बर, 2025 5

भारत और पाकिस्तान के अभ्यास सत्र से एशिया कप के लिए बेताबी बढी

दुबई, 7 सितम्बर। शाम सात बजे के कुछ ही देर बाद, आईसीसी अकादमी में सभी की निगाहें पाकिस्तान टीम के नेट एरिया पर टिक गईं। वे रविवार को शारजाह में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल से पहले अपने अंतिम प्रशिक्षण सत्र के लिए पहुंचे थे।

क्या भारत के साथ कोई क्रॉस-ओवर होगा, जो पहले से ही अपनी तैयारियों में व्यस्त था? क्या खिलाड़ी एक-दूसरे का अभिवादन करेंगे या दूरी बनाए रखेंगे? जो लोग इस पल को फिल्माने लायक होने की उम्मीद कर रहे थे, वे निराश हो गए क्योंकि दोनों टीमों अपनी-अपनी दिनचर्या में डटी रही। भारत का सत्र लगभग तीन घंटे तक चला, जिसमें उनके प्रत्येक विशेषज्ञ बल्लेबाज ने मैदान पर एक घंटे से अधिक समय बिताया, उसके बाद ऑलराउंडरों ने पैड पहनकर गेंद को सभी कोनों में मारा, जिससे यह नेट सत्र की तुलना में अधिक रेंज-हिटिंग साबित हुआ, जिसका उद्देश्य खिलाड़ियों को टच पाने में मदद करना था।

पाकिस्तान ने नेट एरिया में एक शांत कोने में किसी की नजरों से दूर बल्लेबाजी की। उन्होंने ऐसी सतहों पर तैयारी की जो टर्न और असमान उछाल दे रही थीं, शायद टीम रविवार को राशिद खान, एएम गजनफर और नूर अहमद के खिलाफ होने वाली चुनौतियों की तैयारियों में थी। नेट से दूर, शाहीन शाह अफरीदी ने कुछ कैच



लिफ और हल्का वार्म-अप किया, जबकि हारिस रऊफ ने दौड़ लगाई। आईसीसी अकादमी में विभिन्न प्रकार की पिचें हैं, लगभग 40 पिचें जिनमें से अधिकांश एशियाई हैं, लेकिन कुछ ऐसी भी हैं जो वाका, गाबा जैसी उछाल वाली परिस्थितियों की तरह हैं और कुछ स्विंग और सीम प्रदान करती हैं, जिनका पिछले कुछ दिनों में 60 से अधिक खिलाड़ियों ने अच्छा उपयोग किया, जिनमें ओमान और हांगकांग के खिलाड़ी भी शामिल हैं। शनिवार को जब प्रशिक्षण समाप्त हुआ, तब आयोजकों ने राहत की सांस ली। पाकिस्तान को रविवार को एक मैच खेलना था और भारत ने विश्राम का दिन घोषित कर दिया था। शाम की विश्राम के लिए भारत द्वारा 20, 40 और 60 मीटर की दूरी को कोन्स के साथ ब्रॉको ड्रिल के साथ

हुई। टीम पांच-पांच के तीन समूहों में बंट गई। ट्रेनर एंड्रयुन ले रॉक्स ने निर्देश दिए, सितार्शु कोटक ने स्कोर बनाए रखा, जबकि मुख्य कोच गोतम गंभीर चीयरलीडर बने। यह अभ्यास परिणामों के बारे में नहीं था, बल्कि मैच के दिन की परिस्थितियों से सामंजस्य बैठाने के बारे में था, अगर भारत हीट में पहले क्षेत्ररक्षण करता है। जैसे ही लाइटें पूरी तरह से जलीं, खिलाड़ी पूरी तरह से सेंटर विकेट नेट पर आ गए। शुक्रवार को तो सब कुछ आसान लग रहा था, लेकिन शनिवार का खेल और भी तीखा था, शायद हमें उन संयोजनों की भी झलक मिल गई जो धीरे-धीरे उभरने लगे हैं।

पहले दो दिनों के प्रदर्शन को देखते हुए, ऐसा लग रहा है कि जितेश शर्मा भारत के पहले पसंद के विकेटकीपर के रूप में संजु सैमसन पर थोड़ा भारी पड़ सकते हैं। शनिवार को उन्होंने लंबे समय तक बल्लेबाजी की और गंभीर ने नेट्स के पीछे से उन पर कड़ी नजर रखी। एक समय तो ऐसा लगा कि उन्होंने जितेश को स्कूप और पिक-अप शॉट लगाने के उनके कुछ पूर्व-नियोजित प्रयासों के बारे में सलाह दी।

इस बीच, सैमसन ने शुरुआत में सिर्फ थ्रोडाउन लिया और दूसरे बल्लेबाजों को अपनी गति से खेलते हुए देखते रहे। हालांकि, सत्र समाप्त होने से ठीक पहले उन्होंने पैड पहने और गेंद को दूर और लंबी दूरी तक मारा। पुल, प्रलैट-बैट और कुछ शॉट ऐसे थे जिनसे उन्हें

कभी-कभी अपनी शेष खोने पर मुंह बनाना पड़ा। कुल मिलाकर, ऐसा कुछ भी नहीं था जिससे लगे कि कुछ गड़बड़ थी। उनकी टाइमिंग बहुत सटीक थी और गेंद की सटीक जगह पर लगने वाली आवाज के कारण बारूंडी और उसके पार गश्त कर रहे खिलाड़ी बार-बार दौड़कर गेंद को आईसीसी अकादमी ओवल्स के बाहरी क्षेत्र में पहुंचा रहे थे, कुछ तो पाकिस्तान के प्रशिक्षण क्षेत्र में भी पहुंच रहे थे।

सैमसन के मैदान पर उतरने से बहुत पहले, अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल और तिलक वर्मा मैदान पर उठे, उसके बाद सूर्यकुमार यादव, रिकू सिंह और जितेश। अगले 90 मिनट तक, उन्हें जसप्रीत बुमराह, अशदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, शिरोम दुबे और हार्दिक पांड्या जैसे गेंदबाजों का सामना करना पड़ा। इसके बाद स्थानीय नेट गेंदबाजों की एक टोली आई, जिसमें तीन कलाई के रिंग्स और दो बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शामिल थे और सभी को पूरी ताकत से गेंदबाजी करने का निर्देश दिया गया। भारत के दो थ्रोडाउन विशेषज्ञ समच-समच पर गेंदबाजी में शामिल होते रहे और जब भी सत्र में गति की जरूरत पड़ी, गति बढ़ा दी गई। भारत ने रात 9 बजे के आसपास चार घंटे का प्रशिक्षण सत्र पूरा किया। रविवार को विश्राम का दिन है, क्योंकि भारतीय टीम को 10 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ एशिया कप के अपने पहले मैच से पहले दो और सत्र खेलने हैं।

साउथ और सेंट्रल जोन के बीच होगी दलीप ट्रॉफी में खिताबी भिड़ंत

बेंगलुरु, 7 सितम्बर। साउथ जोन और सेंट्रल जोन के बीच दलीप ट्रॉफी के फाइनल में खिताबी भिड़ंत होगी। गुरुजनीत सिंह (चार विकेट) और एम डी निधीष (तीन विकेट) के बाद नारायण जगदीशन (नाबाद 52) के शानदार प्रदर्शन के दम पर साउथ जोन ने 270 रनों की बड़ी बढ़त के साथ रविवार को ड्रां हुए पहले सेमीफाइनल में नॉर्थ जोन के खिलाफ रविवार को दलीप ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना ली। वहीं छह बल्लेबाजों शुभम शर्मा (96), दानिश मालेवर (76), कप्तान रजत पाटीदार (77), उषेंद्र यादव (87), हर्ष दुबे (75) और सारांश जैन (63) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से बनाये गये 600 रनों के विशाल स्कोर साथ फाइनल में जगह बना ली। आज यहां सेमीफाइनल के चौथे दिन नॉर्थ जोन ने कल के पांच विकेट पर 278 रनों से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में वासुकी कौशिक ने शतकवीर शुभम खजुरिया (128) को बोल्ट कर नॉर्थ जोन को छठा झटका दिया। इसके बाद एम डी निधीष ने साहिल लुथरा (19) और मयंक डागर (31) को बोल्ट कर पवेलियन भेज दिया। युद्धवीर सिंह चरक (सात) को तनय त्यागराज ने अपना शिकार बनाया। गुरुजनीत सिंह ने आकिबनबी (10) को आउटकर 100.1 ओवर में 361 के स्कोर पर नॉर्थ जोन की पारी का अंत कर दिया। इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी साउथ जोन की शुरुआत अच्छी नहीं हुई और उसने 34 के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज तन्मय अग्रवाल (13) का विकेट गंवा दिया।इसके बाद बल्लेबाजी करने आये देवदत्त पड़िक्कल ने नारायण जगदीशन के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 61 रनों की अनविजित साझेदारी हुई।

विश्व तीरंदाजी चैम्पियनशिप में भारतीय पुरुष कम्पाउंड टीम ने जीता स्वर्ण पदक

ग्वांगजू (दक्षिण कोरिया), 7 सितंबर। ऋषभ यादव, अमन सैनी और प्रथमेश फुगे की भारतीय पुरुष कम्पाउंड टीम ने रविवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। आज यहां खेले गये फाइनल मुकाबले में भारतीय पुरुष कम्पाउंड टीम ने फ्रांस को 235-233 से हराकर यह उपलब्धि हासिल की। यह पहला मौका है जब भारत ने पुरुष कम्पाउंड टीम स्पर्धा में विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक जीता है। फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम की शुरुआत थोड़ी कमजोर रही और वे पहले सेट में 57-59 से पीछे हो गए। हालांकि इसके बाद टीम ने शानदार वापसी की और हर सेट में लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए फ्रांस को चुनौती को 235-233 से खत्म किया। पहले राउंड में बाई मिलने के बाद भारत ने ऑस्ट्रेलिया को शूट-आफ में माता दी, क्वार्टर फाइनल में अमेरिका को 234-233 से हराया और सेमीफाइनल में तुर्की पर 234-232 से जीत दर्ज की। भारत के युवा तीरंदाज ऋषभ यादव ने अपनी पहली विश्व चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। 23 वर्षीय ऋषभ ने क्वालिफिकेशन में 709 अंकों के साथ आठवां स्थान हासिल किया और मिश्रित टीम स्पर्धा में भी दमदार खेल दिखाया। उन्होंने भारत की शीर्ष कम्पाउंड महिला तीरंदाज ज्योति सुरेखा नेत्रम के साथ जोड़ी बनाकर मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत जीता। दोनों ने जर्मनी, अल सल्वाडोर और चीनी ताइपे को हराते हुए फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में नीदरलैंड्स के खिलाफ भारतीय जोड़ी ने शुरुआती बढ़त बनाई और पहले सेट के बाद 39-38 से आगे भी रहे, लेकिन आखिरकार मुकाबला 155-157 से हारकर उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। ज्योति सुरेखा नेत्रम के लिए यह दूसरा मिश्रित टीम स्पर्धा पदक है। इससे पहले उन्होंने 2021 यैंकटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में अभिषेक वर्मा के साथ भी मिश्रित टीम में रजत पदक जीता था। हालांकि, महिला टीम स्पर्धा में भारतीय चुनौती जल्दी खत्म हो गई।

अनिसिमोवा को मात देकर सबालैंका ने जीता यूएस ओपन का खिताब

न्यूयॉर्क, 7 सितंबर। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालैंका ने फ्लोरिंग मीडोज के हार्ड कोर्ट पर अपना दबदबा कायम करते हुए अमांडा अनिसिमोवा को हराकर लगातार दूसरी बार यूएस ओपन का खिताब जीता। शनिवार रात खेले गये मुकाबले में बेलारूस की सबालैंका ने फाइनल मुकाबले में अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 7-6(3) से हराकर अपने खिताब को बरकरार रखा। इस जीत के साथ बेलारूसी खिलाड़ी सबालैंका 2014 में सेरेना विलियम्स के बाद न्यूयॉर्क में लगातार दो एकल खिताब जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन गईं। यह उनके करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब है। 27 वर्षीय शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सबालैंका इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन और रोलैंड गैरौस दोनों के फाइनल में हारने के बाद दुबान में चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले में मैच में उतरी थीं। लेकिन उन्होंने मौका फायदा उठाया और अथक शक्ति और संयम का प्रदर्शन करते हुए 2025 की



अपनी पहली और अपने करियर की चौथी बड़ी ट्रॉफी जीती। यह जीत ग्रैंड स्लैम स्तर पर उनकी 100वीं मुख्य ड्रां मैच जीत और इस सीजन को उनकी 56वीं जीत भी है।

बेसलाइन से सबालैंका के जोरदार प्रहारों का मुकाबला करते हुए, 23 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी ने गत चैंपियन को शुरुआत में ही परेशान किया, लेकिन

महत्वपूर्ण मौकों पर की गई गलतियां उसके लिए महंगी साबित हुईं। शुरुआती सेट में पांच बार सर्विस ब्रेक हुईं, लेकिन सबालैंका ने 5-3 के स्कोर पर अपनी लय बनाए रखी और सेट को केवल 38 मिनट में ही समाप्त कर दिया, क्योंकि अनिसिमोवा का फोरहैंड बाहर चला गया था।

दूसरे सेट में अमेरिकी खिलाड़ी ने वापसी की और 5-4 के स्कोर पर सबालैंका की सर्विस के दौरान लड़खड़ाने का फायदा उठाया, जिससे उनका नियमित ओवरहेड गेट में चला गया। इससे अनिसिमोवा ने सर्विस ब्रेक की और टाईब्रेकर कराया। हालांकि, सबालैंका ने वह परिपक्वता दिखाई जिसका श्रेय वह अक्सर पिछली निराशाओं से सीखे गए सबक को देती हैं और मैच को अपने तीसरे चैंपियनशिप पॉइंट पर पहुंचाया। खिताब जीतने के बाद सबालैंका कहा, जब आप सबसे बड़े टूर्नामेंटों में से एक का फाइनल हार जाते हैं और तुरंत मीडिया के पास जाते हैं, तो आप निराश और भावुक हो जाते हैं। उन पलों ने मुझे और भी अधिक मजबूत बनाया सिखाया।

टी-20 त्रिकोणीय सीरीज के लिए श्रीलंका और अफगानिस्तान की मेजबानी करेगा पाक

इस्लामाबाद, 7 सितम्बर। नवंबर में पाकिस्तान टी20 त्रिकोणीय सीरीज के लिए श्रीलंका और अफगानिस्तान की मेजबानी करेगा। 17 नवंबर को शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में सभी टीमों एक दूसरे खिलाफ दो-दो मैच खेलेंगी। पहले दो मुकाबले रावलपिंडी में खेले जाएंगे जबकि अगले पांच मुकाबलों सहित फाइनल का आयोजन 29 नवंबर को लाहौर में होगा। यह इस सीजन में दूसरी बार है जब वास्तविक रूप से एक द्विपक्षीय सीरीज टी20 त्रिकोणीय सीरीज में तब्दील हुई है। पहले अगस्त में अफगानिस्तान को तीन टी20 मैचों की द्विपक्षीय सीरीज खेलनी थी लेकिन बाद में यह सीरीज पाकिस्तान और यूएई को साथ लेकर टी20 त्रिकोणीय सीरीज में तब्दील हो गई, जिसका फाइनल 7 सितंबर को अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच खेला जाना है। इसी तरह श्रीलंका को पाकिस्तान के खिलाफ तीन टी20 और तीन वनडे मुकाबलों की द्विपक्षीय सीरीज खेलनी थी लेकिन अब टी20 सीरीज त्रिकोणीय सीरीज में तब्दील हो गई है। इसपीएन क्रिकइंफो को पता चला है कि द्विपक्षीय टी20 सीरीज नहीं खेली जाएगी लेकिन वनडे सीरीज का कार्यक्रम आने वाले समय में जारी किया जा सकता है।

राजस्थान राज्य सीनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता : फाइनल मुकाबलों में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

अलवर, 7 सितम्बर। राजस्थान तीरंदाजी संघ के तत्वावधान में अलवर तीरंदाजी संघ द्वारा आयोजित राजस्थान सीनियर राज्य तीरंदाजी प्रतियोगिता का सफल आयोजन राफेल यूनिवर्सिटी मैदान, नीमराना में सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता में प्रदेशभर से आए प्रतिभाशाली तीरंदाजों ने हिस्सा लिया, जिनमें 40 से अधिक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी शामिल रहे।

आज खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबलों में अलग-अलग वर्गों में चैंपियन रहे -

रिकर्व पुरुष वर्ग - कृष कुमार (बाड़मेर), रिकर्व महिला वर्ग - खुशी



कुमावत, कंपाउंड पुरुष वर्ग - रजत मुकाबल में अलग-अलग वर्गों में चैंपियन रहे -

रिकर्व पुरुष वर्ग - कृष कुमार (बाड़मेर), रिकर्व महिला वर्ग - खुशी

खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ शहर के विकास के लिए भी शुभ संकेत है। विशेष अतिथि शंशाख भारद्वाज ने अपने संबोधन में कहा खल अनुशासन और लक्ष्य साधना सिखाते हैं, जो जीवन में सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। इस अवसर पर राजस्थान तीरंदाजी संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह गुजर, जिला तीरंदाजी संघ अलवर के अध्यक्ष संजीव गर्ग, प्रतियोगिता ऑर्गनाइजर अनिल जोशी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में टैक्निकल ऑफिशियल्स का सम्मान भी किया गया। निर्णायक मंडल में प्राणित चौधरी, प्रताप बेनीवाल, बंशी वर्मा, मनीष नागा और दीपांगू व्यास शामिल रहे।

एशिया कप 2025 : भारत-पाक दोनों देशों के बीच होगा मैच : सैकिया



नई दिल्ली, 7 सितंबर। दो दिन में एशिया कप 2025 का आगाज होने जा रहा। इसी कड़ी में भारत को पाकिस्तान के साथ 14 सितंबर को मैच खेलना है। इस मैच को लेकर भारत में कई लोग नाराज हैं और इस मैच को लेकर आपत्ति जता रहे हैं। वहीं अब इस मैच को लेकर बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया का जवाब आया है। सैकिया ने साफ कर दिया है कि, सरकार ने मल्टीनेशंस इवेंट में हमें उन देशों के साथ खेलने से नहीं रोका है जिनके साथ भारत के संबंध मैत्रीपूर्ण नहीं हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव का ये बयान तब आया है जब भारत के पाकिस्तान

के खिलाफ मैच खेलने पर सवाल उठ रहे हैं।

बता दें कि, गृहलगायम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान संबंध अब तक के सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं। वैश्विक आयोजनों में पाकिस्तान का बहिष्कार करने की मांग उठ रही है। भारत और पाकिस्तान 14 सितंबर को दुबई में आमने-सामने होंगे। केंद्र सरकार ने इस महीने की शुरुआत में साफ कर दिया था कि भारतीय खिलाड़ी बहुराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पाकिस्तान के खिलाफ खेल सकते हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच कोई द्विपक्षीय खेल संबंध स्थापिक नहीं होंगे।

बीसीसीआई सचिव ने कहा कि, बोर्ड सरकार के द्वारा निर्धारित किए गए दिशानिर्देशों का पालन करेगा और एशिया कप में पाकिस्तान के साथ खेलेगा। इस बयान को इस विवाद पर बोर्ड के अंतिम फैसले के रूप में देखा जा रहा है जिससे फैंस में एक खट्ठा-मीठा एहसास है। देवजीत सैकिया ने कहा कि जहां तक बीसीसीआई का सवाल है हमें केंद्र सरकार जो भी आदेश दिया जाता है हमें उनका पालन करना होता है।

उन्होंने आगे कहा कि, हाल ही में हमारी जो नीति बनी है उसके मुताबिक भारत किसी भी बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट या अंतराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा ले सकता है। केंद्र सरकार ने इस पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है कि हम किसी ऐसे देश के साथ खेलें जिसके साथ भारत के अच्छे संबंध नहीं हैं। इसलिए भारत को किसी भी बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में सभी मैच खेलने होंगे। चूंकि आईसीसी कप एक बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट है जिसमें एशिया महाद्वीप के देश शामिल होते हैं, इसलिए हमें इसमें खेलना होगा।

श्रेयस अय्यर नहीं बनेंगे टीम इंडिया के वनडे कप्तान

नई दिल्ली, 7 सितंबर। पिछले कई दिनों से भारतीय क्रिकेट टीम के वनडे कप्तान को लेकर कई चर्चाएं चल रही हैं। कई रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि, बीसीसीआई श्रेयस अय्यर को नया वनडे कप्तान बना सकती है। लेकिन अब इसमें एक नया मोड़ आया है, दरअसल, ताजा रिपोर्ट के मुताबिक एक और खिलाड़ी है जो रोहित शर्मा की जगह वनडे कप्तानी हासिल कर सकता है।

रोहित शर्मा मौजूदा समय में वनडे कप्तान हैं। जबकि टी20 की कमान सूर्यकुमार यादव और टेस्ट की कमान शुभमन गिल के कंधों पर है। ऐसे में ताजा रिपोर्ट में दावा गया गया है कि शुभमन गिल भारत के अगले वनडे कप्तान हो सकते हैं। कुछ रिपोर्ट्स में पहले दावा किया गया था कि श्रेयस अय्यर भारत के अगले वनडे कप्तान हो सकते हैं लेकिन

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कंफर्म किया था कि ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है। ये लगभग तय है कि समय आने पर शुभमन गिल ही रोहित शर्मा की जगह वनडे में कप्तान होंगे। रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि वनडे कप्तान के लिए कोई और दावेदार नहीं बल्कि शुभमन गिल ही सभी फॉर्मेट की कप्तानी संभालेंगे।

बता दें कि, शुभमन गिल 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के उपकप्तान थे। वहीं वह आईपीएल में गुजरात टाइटंस टीम के कप्तान भी हैं। हाल ही में उन्हें टेस्ट की कमान भी सौंपी गई। रोहित शर्मा के टेस्ट रिपोर्ट में दावा गया गया है कि शुभमन गिल भारत के अगले वनडे कप्तान हो सकते हैं। कुछ रिपोर्ट्स में पहले दावा किया गया था कि श्रेयस अय्यर भारत के अगले वनडे कप्तान हो सकते हैं लेकिन

बेथेल और रूट के शतक, इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को दिया 415 रनों का लक्ष्य



नै नी चौके और एक छक्का लगाते हुए 62 रन बनाये। इसके बाद जेकब बेथेल ने जो रूट के साथ मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 182 रनों की साझेदारी हुई।

अपना शतक पूरा करने के बाद आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे जेकब बेथेल को 41वें ओवर में केशव महाराज ने अपना शिकार बना लिया। बेथेल ने 82 गेंदों में 13 चौके और तीन छक्के लगाते हुए 110 रनों की पारी खेली। इसके बाद कप्तान हैरी ब्रूक (तीन) रनआउट होकर पवेलियन लौट गये। 47वें ओवर में कार्लिन बॉश ने जो रूट को आउटकर दक्षिण अफ्रीका को पांचवीं सफलता दिलाई। जो रूट ने 96 गेंदों में छह चौके लगाते हुए 100 रन बनाये। इंग्लैंड ने निर्धारित 50 ओवरों में पांच विकेट पर 414 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जॉस बटलर ने 32 गेंदों में आठ चौके और एक छक्का लगाते हुए नाबाद 62 रनों की पारी खेली। विल जैक्स आठ गेंदों में 19 रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका की ओर से कार्लिन बॉश और केशव महाराज ने दो-दो विकेट लिए।

द्वितीय रॉयल जयपुर ओपन फिडे रेटेड रैंपिड शतरंज प्रतियोगिता गुजरात के कर्त्तव्य आनंदकांत चैम्पियन

जयपुर, 7 सितम्बर। द्वितीय रॉयल जयपुर ओपन फिडे रेटेड रैंपिड शतरंज प्रतियोगिता 2025 ने दो दिनों तक रोमांचक रणनीति और कौशल की जंग देखाई। अंतिम क्षणों तक चले कड़े मुकाबलों में गुजरात के कर्तव्य आनंदकांत ने चैम्पियन ट्रॉफी अपने नाम की। महाराष्ट्र के श्रायन मन्मूदार उपविजेता रहे जबकि हरियाणा के एफएम गवर् गौर ने शानदार प्रदर्शन कर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

जयपुर में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि अशोक परनामी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भाजपा उपस्थित रहे। विशेष अतिथियों में आर.के. सिंह, सीईओ लोटस डेयरी तथा नितिन बखर, एमडी ज्नेल्स रिजॉर्ट्स शामिल रहे। साथ ही अशोक भार्गव, सचिव, आशा भार्गव, अध्यक्ष जे.डी.सी.ए. मधु मेहता, कोषाध्यक्ष जे.डी.सी.ए., अमरीश जोशी, सीओओ वेम्स तथा रवि बजाज, रॉयल जयपुर क्लब क्लब भी समारोह में उपस्थित रहे। यह जानकारी डॉ. जयेंद्र चतुर्वेदी, प्रतियोगिता के आयोजन सचिव ने दी। विशेष रेटिंग व श्रेणी पुरस्कारों में - 1401-1650: सिद्धांत चतुर्वेदी (राजस्थान-जयपुर) प्रथम रहे। 1651-1900: प्रखर त्रिपाठी (उत्तर प्रदेश)



विजेता बने। अनरेटेड: दक्ष जैन (जयपुर) ने बाजी मारी।

महिला वर्ग: याशिका चौधरी (राजस्थान) प्रथम स्थान पर रही। वेंटरनर (60): वाई.पी. श्रीवास्तव (बिहार) विजेता बने।

सर्वश्रेष्ठ राजस्थान खिलाड़ी: रुद्रदमन मेड़ुतिया (जयपुर)। सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग: अमरजीत कुमार (बिहार)। सर्वश्रेष्ठ जयपुर खिलाड़ी: भव्य गुप्ता (जयपुर)। सर्वश्रेष्ठ विद्यालय: सेंट एंजेलम मानसरोवर। इसके साथ ही 100 से अधिक पुरस्कार विवरित किए गए, जिनमें अंडर-16, अंडर-14, अंडर-12, अंडर-10 और अंडर-8 वर्ग के विजेताओं को आकर्षक ट्रॉफियों से सम्मानित किया गया। सचमुच यह शतरंज प्रेमियों का एक उत्सव रहा।

